महाकुम्भ 2025

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

# चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 63 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 22 फरवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

# महाशिवरात्रि पर अमृत स्नान जैसा महासंयोग

**महाकुम्भनगर ( ब्यूरो )।** महाकुंभ में तीन अमृत स्नान के बाद महाशिवरात्रि पर अमृत स्नान जैसा महासंयोग बन रहा है। 26 फरवरी को ग्रहों की युतियां त्रिवेणी के तट पर स्नान करने वालों के लिए बेहद खास होंगी। त्रिग्रही के साथ ही बुधादित्य योग और चंद्रमा के नक्षत्र श्रवण का भी संगम होगा। चंद्रमा के नक्षत्र श्रवण में 31 सालों के बाद बुधादित्य और त्रिग्रही योग में महाशिवरात्रि मनाई जाएगी और श्रद्धालु त्रिवेणी के तट पर स्नान करेंगे। महाकुम्भ में अब तक 59.31 करोड़ श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं। आज सुबह 12.00 बजे तक 71.18 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगा चुके थे।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर महाकुम्भ में संगम स्नान के लिए आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अभूतपूर्व रूप से सशक्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष निर्देश पर स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल, प्रयागराज में आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ा दिया गया है। साथ ही आईसीयू बेड की संख्या बढ़ाकर 147 कर दी गई है, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य के लिहाज से किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. संतोष सिंह के अनुसार वर्ष 2017 में केवल 52 आईसीयू बेड वाले एसआरएन अस्पताल में अब आईसीयू बेड बढ़ाकर 147 कर दिए गए हैं।

**गंगा मंच पर संगीतमय भक्ति का आलोक**

आध्यात्मिकता और कला के अद्भुत संगम से सजे इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ मुंबई की प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना ( शेष पृष्ठ-3 पर )

## 59.31

## करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई पावन डुबकी

# महाकुंभ ने विरोधियों को दिखाया आइना : योगी

- उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में बनेगा देश का पहला बायो पॉलिमर संयंत्र

**लखीमपुर खीरी ( एजेंसी )।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ उत्तर प्रदेश की क्षमता को समझने के लिए पर्याप्त है। 13 जनवरी से 22 फरवरी के बीच 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई है। पूरी दुनिया महाकुंभ की शक्ति का गुणगान कर रही है। जिन्हें विकास पसंद नहीं है, जिन्हें हमारे देश और हमारे राज्य की क्षमता पसंद नहीं है, वे लगातार नकारात्मक टिप्पणियां करके (महाकुंभ को) बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रयागराज महाकुंभ ने उन विरोधियों को आईना दिखाया है जो अच्छे कामों पर सवाल उठाते हैं और अच्छी पहल की राह में रोड़ा बनते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखीमपुर खीरी के कुंभी में देश के पहले बायो पॉलिमर संयंत्र का शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि एक ओर पूरी दुनिया प्रयागराज महाकुंभ में भागीदार बन रही है, वहीं आज कुंभ में ही (शेष पृष्ठ-3 पर)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर में शिव मंदिर, गोला गोकर्णनाथ में विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त नागरिकों के सुखमय जीवन एवं प्रदेश की समृद्धि की कामना की।

# ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाने की दी खुली धमकी

## चीन व भारत समेत कई देशों पर लगाएगा रिसिप्रोकल टैरिफ

**वाशिंगटन ( एजेंसी )।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द ही भारत और चीन समेत दुनियाभर के देशों पर रिसिप्रोकल टैरिफ लगाने की धमकी है। ट्रंप ने खुलकर कहा कि अमेरिका इन देशों पर जैसा को तैसा की तर्ज पर टैरिफ लगाएगा। ट्रंप कई मौकों प भारत को टैरिफ किंग भी कह चुके हैं। उन्होंने भारत में व्यापार करने को सबसे ज्यादा कठिन बताया था। हाल ही में पीएम मोदी ने अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने ट्रंप के साथ व्यापार, रक्षा समेत टैरिफ के मुद्दे पर बात की थी। डोनाल्ड ट्रंप ने ताजा टिप्पणी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की है।

शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भी वही शुल्क लगाएगा, जो ये देश अमेरिकी वस्तुओं पर लगाते हैं। हम जल्द ही रिसिप्रोकल टैरिफ का एलान करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वे हम पर शुल्क लगाते हैं। हम उन पर शुल्क लगाएंगे। हम निष्पक्ष होना चाहते हैं। कोई भी कंपनी या देश जैसे कि भारत और चीन जो भी शुल्क लगाते हैं, वहीं हम भी लगाएंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि हमने ऐसा कभी नहीं किया। कोविड महामारी से पहले हम ऐसा करना चाहते थे।

### भारत में टैरिफ अधिक : ट्रंप

पीएम मोदी के साथ वाशिंगटन में द्विपक्षीय बैठक से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की टैरिफ नीति का जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में टैरिफ सबसे अधिक है। वहां व्यापार करना कठिन है। ट्रंप कई और मौकों पर भी भारत को टैरिफ किंग कह चुके हैं।

# हर्ष फायरिंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा के थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के अगाहपुर में बारात चढ़त के दौरान हर्ष फायरिंग कर एक ढाई साल के मासूम बच्चे की जान लेने वाले मुख्य आरोपी को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में दो लोगों के नाम एफआईआर में दर्ज कराए गए हैं जिनमें से एक की गिरफ्तारी पहले ही कर ली गई थी।

आपको बता दें कि 16 फरवरी की रात थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-41 में स्थित अगाहपुर गांव में गुरूग्राम से बारात आई थी। यह बारात अगाहपुर में रहने वाले बलवीर सिंह के घर आई थी। बारात चढ़त के दौरान दूल्हे के साथ बग्गी पर बैठे दो युवकों ने हर्ष फायरिंग की थी इस फायरिंग में बारात देख रहे एक

### फायरिंग में गई थी ढ़ाई साल के बच्चे की जान

ढाई साल के बच्चे अंश शर्मा के सिर में गोली लगी थी। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उसकी इलाज के दौरान दुखद मृत्यु हो गई थी।

नोएडा पुलिस ने हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपियों की गिफ्तारी के लिए तीन टीमें बनाई थीं। इस मामले में नोएडापुलिस ने दो पहले एक आरोपी दीपांशु को गिरफ्तार किया था। आज नोएडा पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी हैप्पी को भी गिरफ्तार कर लिया।

# चिकित्सा अधिकारियों का तबादला

**लखनऊ ( एजेंसी )।** उत्तर प्रदेश में शनिवार को 15 चिकित्सा अधिकारियों का तबादला किया गया। संयुक्त निदेशक स्तर के इन चिकित्सा अधिकारियों को अलग-अलग अस्पतालों में वरिष्ठ परामर्शदाता के रूप में तैनाती दी गई है इसमें डॉ नेम सिंह को संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, लखनऊ से वरिष्ठ परामर्शदाता, मोती लाल नेहरु मण्डलीय चिकित्सालय, प्रयागराज भेजा गया है।

डॉ अरुण सिंघल को संयुक्त निदेशक, उप्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ से वरिष्ठ परामर्शदाता, यूएचएम चिकित्सालय, कानपुर नगर भेजा गया है। डॉ अशोक कुमार को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मथुरा से वरिष्ठ परामर्शदाता, यूएचएम चिकित्सालय, कानपुर नगर में तैनाती मिली है। डॉ ब्रम्ह सिंह को जिला कुष्ठ अधिकारी अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुरादाबाद से वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला चिकित्सालय, मुरादाबाद में तैनाती मिली है। डॉ वंदना श्रीवास्तव को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, चित्रकूट से वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला चिकित्सालय,जौनपुर बनाया गया है। डॉ अरविंद कुमार को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुजफफरनगर से वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला चिकित्सालय, मुजफफरनगर बनाया है। डॉ अनिल कुमार को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, महोबा से वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला चिकित्सालय, सीतापुर में तैनाती मिली है। डॉ विनय कुमार सिंह को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बुलंदशहर से वरिष्ठ परामर्शदाता, (शेष पृष्ठ-3 पर)

# नोएडा में बदल रही है आंगनबाड़ी केन्द्रों की सूरत

## पांच नवनिर्मित सेंटरों का सीएसआर फंड से किया गया कायाकल्प

**नोएडा ( चेतना मंच )।** मित्सुबिशी एलेवेटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पंख सोसाइटी के माध्यम से अपनी कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) के तहत नोएडा में पाँच नव-निर्मित सरकारी आंगनवाड़ियों का उद्घाटन किया। यह प्रयास कंपनी की सामुदायिक कल्याण और प्रारंभिक बाल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस उद्घाटन समारोह में जे.एल. यादव, क्षेत्रीय प्रमुख, उत्तरी भारत; सुश्री पूनम त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी (DPO), गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश; सुश्री आरती थापा, संस्थापक अध्यक्ष एवं सीईओ, पंख (सोसाइटी); सुरेंद्र कुमार, निदेशक, पंख (सोसाइटी); के साथ-साथ (शेष पृष्ठ-3 पर)

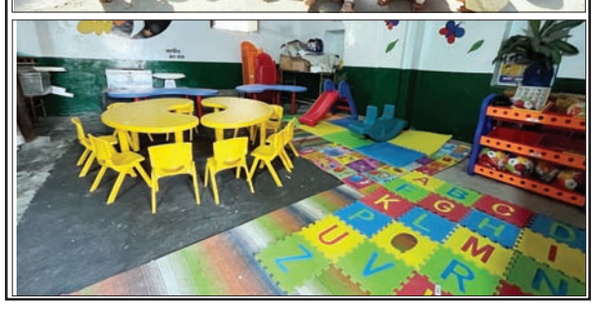

# वीआईपी कल्चर की भेंट चढ़ी 37वीं पुष्प प्रदर्शनी

## बेखौफ होकर प्रदर्शनी ग्राउंड में कारों से फर्राटा भर रहे वीआईपी

**नोएडा ( चेतना मंच )।** सेक्टर-33ए स्थित शिवालिक पार्क में चल रही 37वीं पुष्प प्रदर्शनी दुर्व्यवस्थाओं की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। प्रयागराज के कुंभ में हावी वीआईपी कल्चर इस पुष्प प्रदर्शनी में भी देखा गया। ताज्जुब तो इस बात का है कि नोएडा प्राधिकरण खासकर उद्यान विभाग के शीर्ष अफसर इस मामले में चुप्पी साधे हैं।

दरअसल पुष्प प्रदर्शनी की भव्यता निहारने लोगों का सैलाब फूट रहा है। ऐसे में आम व खास भी पुष्प प्रदर्शनी देखने आ रहे हैं। जहां आम लोगों को कार व बाइक खड़ी करने के लिए दूर पार्किंग में व्यवस्था की गई है। वहीं कुछ खास वीआईपी खुलेआम कार प्रदर्शनी परिसर के अंदर दौड़ाकर मेले की सुंदरता को ग्रहण लगा रहे हैं।

वीआईपी कारों को प्रदर्शनी में अंदर प्रवेश करने पर प्राधिकरण न तो कोई कड़ाई कर रहा है और न ही ऐसा करने वालों पर कोई कार्यवाही। शहर के कई आरडब्ल्यूए व समाजसेवी इस मामले को नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अफसरों की लापरवाही मान रहे हैं। इस मुद्दे पर अभी तक उद्यान विभाग की प्रभारी एसीईओ व निदेशक ने कोई एक्शन नहीं लिया है।

# उप्र युवा व्यापार मंडल के कार्यालय पहुंचा धार्मिक संस्थान का प्रतिनिधिमंडल

**नोएडा ( चेतना मंच )।** उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में आज दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने पहुंचकर व्यापार मंडल के कार्यों को देखा और विस्तार से चर्चा की।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि हमारे कार्यालय के लिए बहुत ही शुभ दिन है आज इतनी बड़ी धार्मिक संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने हमारे कार्यालय में दस्तक दी और हमें धर्म के बारे में विस्तार से समझाया।

प्रतिनिधिमंडल की श्रीमती सोनिया ने बताया कि धर्म के मार्ग पर चलकर ही हम जीवन का महत्व जान सकते हैं । धर्म हमेशा जीवन जीने की कला को सिखाता है। अधर्मी व्यक्ति कभी भी अपने परिवार और अपने समाज का भला नहीं कर सकता द्य आज पधारे प्रतिनिधिमंडल ने व्यापार मंडल को धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल से विकास जैन और श्री हरीश जैन ने आए हुए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

## दिल्ली की सत्ता

# मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

**रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।**

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

**- ललित गर्ग**
**लेखक, पत्रकार, स्तंभकार**

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि उसी यश को गा-गाकर भक्तजन भवसागर से तर जाते हैं। कृपासागर भगवान भक्तों के हित के लिए शरीर धारण करते हैं। श्री रामचन्द्रजी के जन्म लेने के अनेक कारण हैं, जो एक से एक बढ़कर विचित्र हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**जनम एक दुइ कहउँ बखानी। सावधान सुनु सुमति भवानी॥**
**द्वारपाल हरि के प्रिय दोऊ। जय अरु बिजय जान सब कोऊ॥**

हे सुंदर बुद्धि वाली भवानी! मैं उनके दो-एक जन्मों का विस्तार से वर्णन करता हूँ, तुम सावधान होकर सुनो। श्री हरि के जय और विजय दो प्यारे द्वारपाल हैं, जिनको सब कोई जानते हैं॥

**बिप्र श्राप तें दूनउ भाई। तामस असुर देह तिन्ह पाई॥**
**कनककसिपु अरु हाटकलोचन। जगत बिदित सुरपति मद मोचन॥**

उन दोनों भाइयों ने ब्राह्मण (सनकादि) के शाप से असुरों का तामसी शरीर पाया। एक का नाम था हिरण्यकशिपु और दूसरे का हिरण्याक्ष। ये देवराज इन्द्र के गर्व को छुड़ाने वाले सारे जगत में प्रसिद्ध हुए॥

**बिजई समर बीर बिख्याता। धरि बराह बपु एक निपाता॥**
**होइ नरहरि दूसर पुनि मारा। जन प्रहलाद सुजस बिस्तारा॥**

वे युद्ध में विजय पाने वाले विख्यात वीर थे। इनमें से एक (हिरण्याक्ष) को भगवान ने वराह (सूअर) का शरीर धारण करके मारा, फिर दूसरे (हिरण्यकशिपु) का नरसिंह रूप धारण करके वध किया और अपने भक्त प्रह्लाद का सुंदर यश फैलाया॥

**(क्रमशः...)**

# अमरीका से निष्कासित हो रहे भारतीय

अपने देश को छोडक़र किसी दूसरे देश में जाने के लिए उस देश की सरकार से वीजा लेना पड़ता है। वीजा लेने की यह व्यवस्था बीसवीं शताब्दी में ही शुरू हुई थी। उससे पहले लोग इच्छानुसार एक स्थान से दूसरे स्थान पर आ-जा सकते थे। लेकिन उसके बाद व्यवस्था बदल गई। पर एक दूसरी समस्या आ गई। जरूरी नहीं कि जिस देश में आप जाना चाहते हैं वहां की सरकार आपको वीजा दे ही दे। लेकिन यदि जाना बहुत ही जरूरी हो तो बिना वीजा भी जाने के रास्ते हैं। लेकिन उन रास्तों पर ले जाने के लिए दुनिया भर में गिरोह बने हुए हैं। ये गिरोह अपने आपको एजेंट कहते हैं। बिना वीजा के लोगों को विभिन्न देशों की सरहदें पार करवा देने के काम को पंजाब में डोंकी फ्लाइट कहा जाता है। यदि आप किसी दूसरे देश में वीजा लेकर जाते हैं तो परिवहन की रेगुलर फ्लाइट से जाएंगे। यदि बिना वीजा जाते हैं तो डोंकी फ्लाइट से जाएंगे। रेगुलर फ्लाइट का किराया तो बहुत कम है, लेकिन डोंकी फ्लाइट का किराया पचास लाख से लेकर एक करोड़ तक हो सकता है। अलबत्ता इतना निश्चित है कि यदि डोंकी फ्लाइट से यात्री जाता है तो पकड़े जाने पर देश वापसी रेगुलर फ्लाइट से ही होगी। अब जब ऐसा हो रहा है तो बहुत हो-हल्ला होगा ही। लेकिन असली प्रश्न है कि लोग बिना वीजा लिए अमेरिका-कनाडा जाते क्यों हैं?

यह प्रश्न बहुत ही उलझा हुआ है। इसका उत्तर जलेबीनुमा ही हो सकता है। यदि यह मान ही लिया जाए कि अपने मुल्क में नौकरी नहीं मिलती, इसलिए दूसरे देश में नौकरी की तलाश में लोग चले जाते हैं। लेकिन पंजाब और गुजरात से तो उन परिवारों के युवा जा रहे हैं जिनका अच्छा खासा व्यवसाय है। भरी-पूरी खेती है। पंजाब में तो बहुत से आईएएस प्रशासकों ने कनाडा की पीआरशिप ले रखी है। उनके लिए तो बेरोजगारी समस्या नहीं है। बहुत से युवा तो नौकरी छोड़ कर विदेश जाने के लिए 'गधे पर सवार' (डोंकी फ्लाइट) हो रहे हैं। पंजाब में तो अच्छी भली खेती कर रहे युवा खेत बेच कर उत्तरी अमेरिका में मजदूरी तक करने के लिए भाग रहे हैं। इसलिए यह प्रश्न बहुत गुंझलदार है। इसकी तह में जाने की बजाय उस काले धंधे के एजेंटों की दुनिया में झांकने की कोशिश करते हैं जो 'गधा एअरवेज' का संचालन करते हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भी डोंकी फ्लाइट वालों की वतन वापसी को लेकर बहुत चिंतित हैं। लेकिन उनकी चिंता महज इतनी ही है कि डोंकी फ्लाइट से गए यात्रियों को वापस ला रहे जहाज अमृतसर हवाई अड्डा पर न उतरें, बल्कि वे दिल्ली या अहमदाबाद में उतरें। वैसे गधा एअरवेज कैसे आपरेट करती हैं, इसकी थोड़ी बहुत मालूममात भगवंत मान को भी होगी ही क्योंकि बहुत बार कलाकारों के जत्थे भी ऐसे अभियानों में पाए जाते हैं। गधा एअरवेज अरबों की आर्थिक राजनीति है। एक-एक यात्री से लाखों रुपए वसूले जाते हैं। यह गधा एअरवेज बिना सुसंगठित तंत्र के तो चलाई नहीं जा सकती। यह एअरवेज गैर कानूनी है, इसमें तो कोई शक नहीं। फिर भी यदि यह सफलतापूर्वक चल रही है तो इसके अनेक स्टेकहोल्डर होंगे ही। सबसे बड़ा स्टेकहोल्डर तो वे हैं जो उत्तरी अमेरिका के दिवास्वप्न दिखाते हैं। सबसे बड़ा स्वप्न है कि 'कनाडा और अमेरिका में 'शरण' मिलने की संभावना है। हम यह शरण दिलवा सकते हैं, लेकिन इसके लिए इतने लाख रुपया देना होगा।' क्या भगवंत मान यह नहीं जानते कि कनाडा या अमेरिका में शरण दिलवाने की एजेंसी किन लोगों ने खोल रखी है?

इस एजेंसी को पकडऩे के लिए पंजाब सरकार ने अभी तक कोई कदम उठाया है? यदि नहीं उठाया तो उसका क्या कारण है? आर्थिक कारण या राजनीतिक कारण? अमेरिका में डोंकी फ्लाइट के माध्यम से जब एक युवक ने अमेरिका में प्रवेश किया और कुछ दिन बाद ही अमेरिकी पुलिस ने उसे पकड़ कर नजरबन्द कर दिया तो उसने सबसे पहले अपने घर फोन करके नजरबन्द होने की ही 'खुशखबरी' दी। जेल में जाना खुशखबरी कैसे हो सकती है? उसने इसका भी खुलासा किया। अब 'वह अमेरिका में शरण के लिए आवेदन न्यायालय में प्रस्तुत करेगा। कोर्ट में लम्बा केस चलेगा। कुछ दिन बाद जमानत पर नजरबन्दी से छूट जाएगा। तब तक तो अमेरिका से कानूनन ही कोई निकाल नहीं पाएगा। आशा है अंतत: शरण मिल जाएगी।' क्या पंजाब सरकार का धर्म नहीं है कि वह शरण दिलवाने के लिए झूठे-सच्चे कागज मुहैया करवाने की चल रही फैक्टरी पर शिकंजा कसे। गधा एअरवेज का संचालन करने वाले एजेंटों पर कभी पंजाब सरकार ने कार्रवाई की? यह एअरवेज तो कई दशकों से चल रहा है। पंजाब में क्या कोई ऐसा राजनीतिज्ञ है जो एन एजेंटों की सिंडीकेट को न जानता हो या फिर कभी-कभार इस एअरवेज के माध्यम से अपने किसी सगे संबंधी को उत्तरी अमेरिका न पहुंचाया हो? क्या करोड़ों का यह बिजनेस अकेले एजेंट ही डकार रहे हैं? क्या पंजाब के राजनीतिज्ञों में इसकी पत्ती या हिस्सेदारी के कारण ही तो इनकी ओर से आंख नहीं मूंद ली जाती? पुलिस की जानकारी के बिना क्या इतना बड़ा बिजनेस चल सकता है? ये सारे ऐसे प्रश्न हैं जिसका उत्तर पंजाब सरकार को देना होगा। लेकिन यह निश्चित है कि पंजाब सरकार इसका उत्तर नहीं देगी। कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिनका उत्तर सभी को पता होता है, लेकिन उत्तर देता कोई नहीं। डोंकी फ्लाईट का यही सबसे बड़ा काला धंधा है।

लेकिन इस पूरे काले धंधे की एक ब्रांच कनाडा और सरकारों के भीतर भी खुली हुई है। राजनैतिक शरण के नाम पर क्या अमेरिका और कनाडा सरकारें भारत विरोधी समूह यत्नपूर्वक तैयार नहीं कर रही? इसके लिए क्या वहां परोक्ष ब्रांच काम नहीं कर रहीं? इस ब्रांच को तो गधा एअरवेज के यात्रियों का इंतजार करने की भी जरूरत नहीं होती। यह ब्रांच तो बाकायदा उनको अल्प अवधि का वीजा देकर बुलाती है। उसके बाद जांच लेती है कि क्या इनको भारत विरोधी गुट में रिक्रूट किया जा सकता है। यदि उपयुक्त पाया जाता है तो शरण के बाद उसे इस काम में लगा दिया जाता है। लेकिन इस प्रकार के रंगरूट सप्लाई करने का काम भी तो पंजाब में बैठे कुछ तथाकथित प्रतिष्ठित लोग ही तो कर रहे हैं। यह पूरी सप्लाई सिस्टम चेन है जिसका एक सिरा भारत में है और दूसरा सिरा कनाडा और अमेरिका में है।

**-कुलदीप चंद अग्निहोत्री**
**वरिष्ठ स्तंभकार**

# राशिफल

**फाल्गुन कृष्ण पक्ष नवमी** | **(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
अज्ञात भय सताएगा। सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। सर दर्द और नेत्र पीड़ा के कारण मन व्याकुल रहेगा।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन अस्थिर रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। बाकी प्रेम, संतान, व्यापार सही रहेगा।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
व्यावसायिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट-कचहरी में हार का सामना करना पड़ सकता है।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
भाग्य में भरोसा करके कोई काम नहीं कर सकते हैं। थोड़ा सा बदनामी या अपयश मिल सकता है।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य पर ध्यान रखें। नौकरी-चाकरी की स्थिति मध्यम रहेगी।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
डिस्टर्बिंग टाइम लेकिन जीत आपकी सुनश्चित है। कार्यों में अवरोध आएगा लेकिन संपन्न हो जाएगा।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
मानसिक दबाव बना रहेगा। अवसादग्रस्त स्थिति रहेगी। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
गृह कलह के संकेत हैं। कुछ बड़ी कलह हो सकती है। ध्यान रखिएगा। शांत होकर चीजों को निपटाएं।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
पराक्रम अभी बहुत रिजल्ट नहीं देगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम, संतान अच्छा है।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
पूंजी का निवेश न करें। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसा न लगाएं। धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
आपको जल्द शुभ समाचार मिलेगा। अपने आराध्य देव की स्तुति करें। उत्तम समय चल रहा है।

# मंत्रोचार व पूजन के साथ कारागार के बंदियों ने किया संगम के पवित्र जल से स्नान

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** लुक्सर कारागार के बंदियों ने भी प्रयागराज के संगम से लाये गये जल के कुण्ड में नहाकर संगम स्नान का पुण्य लाभ उठाया। जेल प्रशासन के इस पहल की चहुंओर प्रशंसा हो रही है।

जिला कारागार गौतबुद्धनगर के अधिकारियों द्वारा विशेष तैयारियां करते हुए त्रिवेणी संगम का पावन जल कारागार पर लाये गये इस पवित्र जल को कलश में भरकर मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना करते हुए सर्व प्रथम कलश यात्रा निकाली गई जिसमें 11 विद्वान पंडित और बंदी साथ में ढोल तासो के साथ समस्त बैरकों में गए। इसके पश्चात जल कुंड के पानी में पवित्र जल मिलाकर सम्पूर्ण पानी को अमृतमय किया गया। इसी भावना के साथ त्रिवेणी संगम से लाये हुए पवित्र जल को कारागार के अधिकारियों द्वारा अहाते में स्थापित ताजे पानी से भरे कुंडों में मिलाकर बंदियों को स्नान कराया गया। बंदियों द्वारा भी पूर्ण उत्साह एवं श्रृद्धा के साथ संगम के पवित्र जल से स्नान कर अपने जीवन को धन्य किया तथा हर हर गंगे एवं महादेव की जय जयकार करते हुए इस धार्मिक यात्रा में सम्मिलित हुए। साथ ही कारागार परिसर में रह रहे परिवार के लोगों को संगम के पवित्र जल की 500 बोतले वितरित की गई।

# सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए के लोगों ने किया संगम में स्नान

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-34स्थित बी-3 आरावली आरडब्ल्यूए की पहल पर यहां से प्रयागराज के लिए रवाना श्रद्धालुओं ने संगम में जाकर महाकुंभ में स्नान किया। स्नान करने वालों में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी व सोसायटी के लोग शामिल थे। इस मौके पर आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा तथा उनकी धर्मपत्नी ने भी स्नान किया। उन्होंने बताया कि सभी ने महाकुंभ में स्नान किया तथा पूजन किया।

# एलेक्रामा-2025 में आकर्षण का केन्द्र बना एबीसी ट्रांसफार्मर्स का स्टॉल

**नोएडा (चेतना मंच)।** एबीसी ट्रांसफॉर्मर्स, इलेक्ट्रिकल ट्रांसफॉर्मर और सर्वो वोल्टेज स्टेबलाइजर्स का एक प्रमुख निर्माता और निर्यातक, एलेक्रामा 2025 में अपनी भागीदारी दर्ज कराई है। यह प्रदर्शनी 22-26 फरवरी, 2025 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित की गई।

एबीसी ट्रांसफॉर्मर्स के निदेशक गुरिंदर बंसल ने बताया कि हम एलेक्रामा 2025 का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं और हमें ट्रांसफार्मर तकनीक में अपनी नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। हम अपने ग्राहकों को विश्वसनीय, कुशल और टिकाऊ बिजली समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमारा मानना है कि एलेक्रामा उद्योग के नेताओं से जुड़ने और बिजली क्षेत्र के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए एक आदर्श मंच है।

# सीपी, जिला जज व डीएम ने सखी वन स्टॉप सेन्टर का किया निरीक्षण

**नोएडा (चेतना मंच)।** गौतमबुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, जिला जज अवनीश सक्सेना और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को सेक्टर-62 स्थित सखी वन स्टॉप सेन्टर एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लेते हुए निर्देश दिये कि यहां रहने वाले सभी बच्चों की सभी जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाए। बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ उनकी शिक्षा पर भी जोर दिया जाए।

इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने सखी वन स्टॉप सेन्टर में रहने वाली सभी महिलाओं से वार्तालाप करते हुए उनका कुशलक्षेम लिया गया तथा सेंटर के संचालकों को निर्देशित किया कि सेंटर के अंदर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। वहां रहने वाली सभी महिलाओं की मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए तथा समय-समय पर उनकी काउंसलिंग की जाए। सभी महिलाओं को जरूरत के हिसाब से कानूनी, चिकित्सा और मानसिक काउंसलिंग की सुविधा प्रदान की जाए।

इस दौरान तीनों अधिकारियों द्वारा बचपन डे केयर सेंटर में जाकर दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की गई।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह, डीसीपी महिला सुरक्षा सुनिति, एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## पृष्ठ एक के शेष....

**महाशिवरात्रि पर अमृत....**

रूपाली देसाई और उनकी टीम द्वारा की गई। उन्होंने 'शिव पंचाक्षर स्तोत्र' की दिव्य ध्वनि के साथ एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली नृत्य प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को शिवमय कर दिया।

अंगिकं भुवनं यस्य, वाचिकं सर्व वाङ्मयम। आहार्यं चन्द्रतारादि, तं वन्दे सात्विकं शिवम॥ इस श्लोक के माध्यम से भगवान शिव की व्यापकता, उनकी अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों—अंगिक (शारीरिक प्रदर्शन), वाचिक (वाणी), और आहार्य (श्रृंगार) की महिमा को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। नृत्य की भावपूर्ण मुद्राओं और संगीत की लयबद्धता ने एक ऐसा दिव्य वातावरण रचा, जिससे दर्शकों में भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का संचार हुआ।

दूसरी प्रस्तुति के तहत प्रसिद्ध गायिका सुश्री निशि सिंह ने अपनी सुरीली वाणी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**महाकुंभ ने विरोधियों को ....**

आपने महाकुंभ रच दिया है। लखीमपुर खीरी के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने 1,622 करोड़ की 373 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया साथ ही गोला गोकर्णनाथ शिवमंदिर कॉरिडोर का शिलान्यास भी किया।

जनसभा में लोगों की भीड़ देखकर सीएम योगी ने कहा कि यह दृश्य अपने आप में अद्भुत है। कुंभी में निवेश का महाकुंभ नजर आ रहा है। 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला प्लांट अपनी तरह का यह पहला निवेश है। इसके लिए बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड और लखीमपुर खीरी के लोगों को बधाई।

बता दें कि बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड द्वारा यह संयंत्र 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। यह जैविक तरीके से पॉलिमर उत्पादन का कार्य करेगा। इससे पर्यावरण के अनुकूल औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा मिलेगा। कुंभी के बाद सीएम योगी ने गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर शिव मंदिर कॉरिडोर का शिलान्यास किया। इसके अलावा, 1620 करोड़ रुपये की 373 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं।

**नोएडा में बदल रही....**

मित्सुबिशी एलेवेटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और पंख की समर्पित टीमें शामिल थीं।

यह पाँच आंगनवाड़ियाँ सदरपुर, नंगली वाजिदपुर, सालारपुर, अगहपुर और चौड़ा गाँव में स्थित हैं, को एक जीवंत, बाल-अनुकूल शिक्षण स्थल के रूप में पुनर्जीवित किया गया है। इन सुधारों ने प्रारंभिक बाल शिक्षा और समग्र विकास के लिए एक पोषणकारी वातावरण प्रदान किया है। नवीनीकरण ने न केवल बुनियादी ढांचे में सुधार किया बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ाया, जिसमें आवश्यक शिक्षण सामग्री, बुनियादी सुविधाओं का उन्नयन और बच्चों के लिए खुशी लेकर आया।

इस अवसर पर सुश्री पूनम त्रिपाठी, DPO, गौतमबुद्धनगर ने मित्सुबिशी एलेवेटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की CSR पहलों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल प्रारंभिक बाल शिक्षा की नींव को मजबूत करने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। इन आंगनवाड़ियों का रूपांतरण बच्चों के कल्याण और उनके सीखने के परिणामों पर एक स्थायी प्रभाव डालेगा।

यह पहल मित्सुबिशी एलेवेटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और वंचित समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में उनकी समर्पित भागीदारी को दर्शाती है। इस प्रकार की सार्थक साझेदारियों के माध्यम से, कंपनी सकारात्मक परिवर्तन को प्रोत्साहित करती रहेगी, जिससे जरूरतमंद बच्चों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

**चिकित्सा अधिकारियों का ....**

जिला संयुक्त चिकित्सालय, हापुड़ बनाया गया है। डॉ सत्यपाल सिंह को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला चिकित्सालय, महोबा से वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला महिला चिकित्सालय, महोबा में तैनाती मिली है। डॉ धीरेंद्र कुमार शर्मा को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अयोध्या से वरिष्ठ परामर्शदाता, श्रीराम चिकित्सालय, अयोध्या बनाया गया है। डॉ सुनील कुमार रावत को संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, लखनऊ से वरिष्ठ परामर्शदाता, 100 शैय्यायुक्त संयुक्त चिकित्सालय, साढ़ामऊ, बीकेटी, लखनऊ में तैनाती मिली है। डॉ प्रमोद कुमार गुप्ता को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिजनौर से वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला चिकित्सालय, मुरादाबाद में तैनाती मिली है। डॉ हरपाल सिंह को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीतापुर से वरिष्ठ परामर्शदाता, महाराणा प्रताप संयुक्त जिला चिकित्सालय, बरेली बनाया गया है।


**पूर्वोत्तर रेलवे**

निम्नलिखित कार्य के लिए "खुली" ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है जो उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कॉलोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण: 03-2025-कॉलोनी; कार्य का नाम:** गोरखपुर क्षेत्र में 1213 किलोवाट क्षमता के सोलर पीवी संयंत्रों का प्रावधान। **अनुमानित लागत:** ₹9,18,23,920.36; **बयाने की राशि:** ₹6,09,100/-; **ई-निविदा फॉर्म का मूल्य:** शून्य; **कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने की तिथि से:** 09 माह। • ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 17.03.2025 समय 15:00 बजे तक। • इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कॉलोनी
मुजाधि/विद्युत-247 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें



**दैनिक चेतना मंच**

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com



**नौएडा** नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा-201301, उ0प्र0
वेबसाईट : www.noidaauthorityonline.in

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना**

अर्ह निविदाकारों से निम्न जॉब हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शाई गई तिथियों पर खोला जाएगा। निविदा संबंध में समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की अधिकारिक वेबसाइट www.noidaauthorityonline.in एवं http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट देखते रहें।

1 10/Manager System/COM. ACCESSORIES/2024-25, Procurement of Computer Accessories. **धनराशि रु0 14.12 लाख** Inclusive of GST

उपरोक्त निविदाओं को **दिनांक 07.03.2025 सायं 5.00 बजे** तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन **दिनांक 10.03.2025 को 11.00 बजे** खोली जायेगी।

प्रबन्धक (सिस्टम)
नौएडा

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

## खास खबर

### संभल हिंसा मामले में एक महिला को मिली रिहाई

**संभल।** संभल हिंसा के दौरान हुई पत्थरबाजी के आरोप में जेल में बंद एक महिला को रिहा किया है। कोर्ट ने साक्ष्य ना होने के अभाव में 1 लाख रुपये के मुचलके पर रिहा किया है। जबकि, इसके अलावा जेल में बंद 79 आरोपियों में से किसी और की जमानत नहीं मिली है। दरअसल, 24 नवंबर 2024 की हिंसा में शामिल चार महिलाओं सहित 80 आरोपियों को संभल पुलिस गिरफ्तार कर जेल में डाल चुकी है। इसमें चार महिलाओं को पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल में बंद आरोपी फरहाना की जमानत के लिए वकीलों के द्वारा पैरवी की जा रही थी। बीते दिन चंदौसी स्थित सीजेएम कोर्ट ने फरहाना के खिलाफ साक्ष्य न होने के अभाव में एक लाख रुपये के मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया। वकील गनी अनवर ने बताया कि हिंसा के मामले में फरहाना को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद हमारी ओर से महिला के निर्दोष होने की जानकारी देकर प्रार्थना पत्र पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दिया गया था। मामले में पुलिस और प्रशासन की तरफ से निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन मिला था। जांच पूरी होने के साथ ही महिला के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले, जिसपर प्रशासनिक स्तर पर महिला को रिहा किया गया।

### गंगेश्वरी क्षेत्र से हरिद्वार को रवाना हुए शिव भक्त

**मुबारिजपुर।** महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक के लिए विभिन्न गांव से कांवड़ियों के जत्थे हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लाने के लिए रवाना होने शुरू हो गए ब्लाक गंगेश्वरी के दड़ियाल क्षेत्र से बुधवार शाम को हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए शिव भक्त का रेला हर हर महादेव बोल बम बोल बम के जयकारो के साथ रवाना हुए महाशिवरात्रि का पर्व नजदीक आते ही प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम करने शुरू कर दिए हैं आए दिन हाईवे पर शिव भक्त दिखाई देने लगे।

### बाला जी धाम पर किया गया भंडारे का आयोजन

**मुबारिजपुर।** ब्लाक गंगेश्वरी क्षेत्र के गांव सिमथला में बाला जी धाम पर शुक्रवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया इसमें दूर दराज के हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और भगवान हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उपरांत हवन यज्ञ के आयोजन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया भंडारे में शाम तक भीड़ उमड़ी रही इस मौके पर विधायक पुत्र देवेंद्र खड़गवंशी, आमोद कुमार शर्मा, प्रमोद त्यागी, ब्रह्मदत्त त्यागी आदि मौजूद रहे।

# सरकार की अनुमति के बिना खर्च कर दिए 607 करोड़ रुपये, रिपोर्ट में खुलासा

एजेंसी

**देहरादून।** उत्तराखंड कर्मकार बोर्ड में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि बोर्ड ने 2017-18 और 2021-22 में सरकार की अनुमति के बिना 607.09 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। इस दौरान साइकिल खरीद, टूल किट वितरण, कोविड राहत राशन और अन्य योजनाओं में गड़बड़ी हुई। कैग रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 में कोविड काल के दौरान बोर्ड ने 9.36 करोड़ रुपये की राशन किट



ऐसे लोगों को बांट दी, जो पंजीकृत श्रमिक नहीं थे। इसके अलावा, 53.58 करोड़ रुपये की राशन किट खरीद में अनियमितताएं पाई गईं। बोर्ड ने प्रसूति योजनाओं में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों को दरकिनार कर दिया और 215 करोड़ रुपये की राशि 5,47,274 गैर-पंजीकृत श्रमिकों में वितरित कर दी। इतना ही नहीं, श्रमिक महिलाओं को मातृत्व लाभ योजना के तहत तय 10 हजार रुपये की जगह 25 हजार रुपये तक दिए गए। श्रमिकों की बेटियों के विवाह सहायता राशि भी नियमों के विपरीत 51 हजार की जगह 1 से 2 लाख रुपये तक दे दी गई। वर्ष 2018 से 2021 के बीच इस मद में 7.19 करोड़ रुपये खर्च किए गए। बोर्ड के अधिकारियों ने एक आईटी कंपनी से 83,560 साइकिलें 32.78 करोड़ रुपये में खरीदीं, लेकिन उनका कोई हिसाब नहीं दे पाए। ये साइकिलें देहरादून और उधमसिंहनगर के लिए खरीदी गई थीं। इसी तरह, टूल किट वितरण में भी गड़बड़ी सामने आई। टीसीआईएल कंपनी से 33.23 करोड़ रुपये की 22,426 टूल किटें खरीदी गईं, लेकिन केवल 171 का ही वितरण दर्ज किया गया, बाकी 22,255 टूल किटों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। कैग रिपोर्ट आने के बाद अब सवाल यह है कि सरकार इस पर क्या कार्रवाई करती है।

## आतंकी हमला: दहल गया इजरायल बसों में हुए एक के बाद एक धमाके

एजेंसी

**तेलअवीव।** इजरायल के केंद्रीय क्षेत्र में एक के बाद एक कई बसों में विस्फोट होने की खबर सामने आई है। पुलिस ने इसे एक संभावित आतंकवादी हमला बताया है। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने केंद्रीय इजरायल में बसों पर हुए धमाकों के बाद एक सुरक्षा बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। नेतन्याहू को उनके सैन्य सचिव द्वारा इन विस्फोटों के बारे में निरंतर अपडेट मिल रहे हैं। घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन दो अन्य बसों पर अतिरिक्त विस्फोटक पाए गए हैं। अधिकारियों ने जनता से सतर्क रहने की अपील की है।पुलिस ने एक बयान में कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट में यह संदिग्ध आतंकवादी हमला प्रतीत होता है। बत्त याम में अलग-अलग स्थानों पर कई बसों में विस्फोट होने



की सूचना मिली है। यह घटना उस समय हुई जब हमास ने गाजा से चार इजरायली बंधकों के शव वापस किए थे। इजरायल में बसों और ट्रेनों की व्यापक तलाशी लेने के बाद बम निरस्त करने वाली टीमों ने अपना काम पूरा कर लिया। पुलिस बल बत्त याम में संदिग्धों की तलाश में जांच कर रही थी। पुलिस प्रवक्ता हैम सार्ग्रॉफ ने बताया कि जांच की जा रही है कि क्या एक अकेले व्यक्ति ने विभिन्न बसों में विस्फोटक लगाए थे या कई अपराधी इसमें शामिल थे।

## कैलिफोर्निया में फ्लू के बढ़ रहे मामले, लोगों को बना रहा सांस का मरीज

एजेंसी

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के कैलिफोर्निया में फ्लू (इन्फ्लूएंजा) कोविड से ज्यादा घातक सांस की बीमारी बन गया है। अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ है और डॉक्टरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्लू के मामलों में यह तेजी ऐसे समय में आई है जब टीकाकरण की दर बेहद कम है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के मुताबिक इस सीजन में सिर्फ 44 फीसदी वयस्क और 46 फीसदी बच्चे ही फ्लू का टीका लगवा पाए हैं। सैन फ्रांसिस्को के संक्रामक रोग विशेषज्ञ ने



बताया कि अस्पताल भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हर जगह फ्लू के मामले हैं। स्थानीय क्लीनिकों में किए जा रहे श्वसन संबंधी वायरस परीक्षणों में 70 फीसदी से ज्यादा मामले फ्लू के पाए गए हैं। यह आंकड़ा कोविड-19 और सामान्य सर्दी से अधिक है। 1 फरवरी तक कैलिफोर्निया में फ्लू टेस्ट पॉजिटिविटी दर 27.8 फीसदी तक पहुंच गई थी, जबकि आरएसवी के मामले 5 फीसदी और कोविड के 2.4 फीसदी रहे। 1 जुलाई 2024 से अब तक कैलिफोर्निया में फ्लू से जुड़ी कम से कम 561 मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से ज्यादातर 65 से ज्यादा उम्र के लोगों की थीं। इसके अलावा, इस सीजन में 10 बच्चों की भी फ्लू से मौत हुई है, जबकि कोविड से केवल 3 बच्चों की मौत हुई है। पूरे अमेरिका में 2024-25 फ्लू सीजन में अब तक अनुमानित 2.9 करोड़ लोग फ्लू से संक्रमित हो चुके हैं।

## राज्यपाल का अभिभाषण तथ्यों से परे झूठ का पुलिंदा : आराधना मिश्रा

▸ सिर्फ भाजपा सरकार की झूठी प्रशंसा का दस्तावेज

एजेंसी

**लखनऊ।** कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा मोना ने राज्यपाल द्वारा सदन में पढ़े गए अभिभाषण को झूठ का पुलिंदा और भाजपा सरकार की झूठी वाहवाही का सरकारी दस्तावेज करार दिया है, आराधना मिश्रा मोना ने राज्यपाल के अभिभाषण के जवाब में सदन में बोलते हुए कहा है कि अभिभाषण सिर्फ सरकार की झूठी प्रशंसा का दस्तावेज है इसीलिए राज्यपाल ने सिर्फ 8 मिनट 35 सेकंड में अभिभाषण समाप्त कर दिया , महामहिम राजनीतिक अनुभवी महिला हैं और सरकार के झूठ को समझती हैं, राज्यपाल के अभिभाषण के पहले पन्ने पर भाजपा योगी आदित्यनाथ सरकार की अव्यवस्था का जिक्र है जो सरकार के झूठे दावों और आकंड़ों को खारिज करता है, जिसमें महाकुंभ में भाजपा सरकार की वजह से आने वाले श्रद्धालुओं को भारी समस्या और अव्यवस्था का सामना करना पड़ा, और सरकार ने कोई सबक नही लिया, जिसकी कीमत मची भगदड़ से श्रद्धालुओं ने अपनी जान देकर चुकाई लेकिन भाजपा सरकार ने महाकुंभ के लिए आवंटित ?5000 करोड़ का हल्ला मचाकर गुमराह करती रही, वह 5000 का बजट भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया,महाकुंभ में बड़े-बड़े प्रचार किए गए लेकिन अव्यवस्था का आलम क्या था ,सबको पता चल गया न पर्याप्त यातायात की व्यवस्था, न पीने के पानी की ,न खाना, सब रामभरोसे चल रहा था, सच्चाई यह



है कि अभी भी हजारों गाड़ियां पार्किंग में वल्लूॅाि खड़ी हैं ,लोग अभी भी अपने बिछड़े परिजनों को ढूंढ रहे हैं, और सरकार सही आंकड़े जारी नहीं कर पाई ,हां लेकिन यह जरूर बता देती है कि 40 करोड लोगों ने स्नान किया,अच्छी बात है और ज्यादा लोग स्नान करते, श्रद्धालुओं ने तो अपनी आस्था दिखाई, आए , लेकिन आपने जो व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली थी उसमें हर मोर्चे पर फेल हो गए।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि अभिभाषण में रोजगार , निवेश , युवाओं के भविष्य को लेकर कोई ठोस नीति का जिक्र नहीं है, न ही बिजली समस्या ,महंगाई ,मनरेगा, शिक्षा ,पर्यावरण संरक्षण, दंगा , महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था पर भी हकीकत से अलग सिर्फ और सिर्फ झूठ बोला गया। आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि समझ में नहीं आता कि भारतीय जनता पार्टी का झूठ बोलने से मन कब भरेगा ,राज्यपाल महोदय के दूसरे और तीसरे पन्ने पर 1 ट्रिलियन इकोनामिक की बात कही गई 45 करोड़ के निवेश आने का दावा किया गया , आपके अनुसार 15 लाख करोड़ निवेश आ भी गया, लेकिन रोजगार कहां है ? आंकड़े तो कहते हैं कि बेरोजगारी चरम पर है एम.एस.एम.ई. के माध्यम से रोजगार करने की बात कहते हैं , लेकिन सेंटर पर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी सीएमआइइ के आंकड़े के अनुसार 29 लाख बेरोजगार युवा रोजगार न मिलने की हताशा से घर बैठे हुए हैं, बिजली को लेकर छठे पन्ने पर भी झूठ बोला गया कि ग्रामीण क्षेत्र में 20 घंटा, बिजली आ रही तहसील पर 22 घंटा, मुख्यालय पर 24 घंटे लेकिन भाजपा के ही केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री ने संसद में बताया था कि यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 16 से 18 घंटे ही बिजली मिल पा रही है , और आपके पास कोई भी निर्बाध आपूर्ति की योजना और रोड मैप नहीं है, किसानों की आय दुगनी की बात की थी इसका खूब ढिंढोरा भी पीटा लेकिन आय बढ़ने की बजाय लागत दुगनी कर दी। डीजल ,खाद , बीज सब महंगा हो गया लेकिन टरढ में उस अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हुई, सिर्फ बिचौलिए हावी हैं, मनरेगा का मजाक जिन प्रधानमंत्री ने सदन में उड़ाया था आज मनरेगा ही सबसे बड़ा माध्यम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार देने में सक्षम रही है, यह पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी को सच्ची श्रद्धांजलि है।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि शिक्षा पर पेज नंबर 17 पर सरकारी स्कूलों की वाहवाही लिखी गई लेकिन बेसिक शिक्षा के स्कूल अभी 28000 सरकार बंद करने जा रही थी,आलोचना के बाद आदेश रोक, डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली है और 2018 की 69000 शिक्षक भर्ती अभी भी पूरी नहीं हो पाई, पर्यावरण संरक्षण पर मुख्यमंत्री जी अभियान चलाते की बात करते हैं पेज नंबर 28 में पर्यावरण संरक्षण के दावे में कहा गया कि 139 करोड़ पर लगाए गए हैं लेकिन रिपोर्ट कहती है कि 29% पौधे जीवित बचे हैं क्या वृक्षारोपण के बाद उनको जीवित रखे बिना पर्यावरण संरक्षण सम्भव है , किसे गुमराह कर रहे हैं?आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि पेज नंबर 34 में कहा गया है कि 7 सालों से कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ लेकिन एन.सी.आर.बी के आंकड़े कहते हैं कि 4478 केसो के साथ उत्तर प्रदेश देश भर में दंगा में तीसरी स्थान पर है , महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर सबसे बड़ा झूठ बोला गया है, एन.सी.आर.बी. 2022 के आंकड़े कहते हैं कि महिला अपराध में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर , अपहरण के मामले में प्रथम स्थान पर है, दहेज हत्या में प्रथम स्थान पर है , हत्याओं में प्रथम स्थान पर है, बलात्कार में दूसरे और गैंगरेप के बाद हत्या में प्रथम स्थान पर है , सच्चाई है भारतीय जनता पार्टी की सरकार में अयोध्या में 22 साल की दलित बेटी की निर्मम हत्या कर दी गई, आंखें निकाल दी गई, हड्डियां तोड़ दी गई, सरकार उस पर कुछ नहीं बोलेगी , साइबर क्राइम भी बढ़ता चला जा रहा है।

## बजट : प्रदेश सरकार युवा छात्र किसान समेत आदि वर्गों पर बरसी

एजेंसी

**मुबारिजपुर ।** योगी सरकार ने बजट में खेती-किसानों सशक्त और समृद्ध बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को और गति दे दी है। किसानों और कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं में भारी-भरकम राशि का प्रावधान किया गया है। दलहनी-तिलहनी फसलों संग प्राकृतिक खेती को बढ़ाने के प्रयास तो होंगे ही, कौशल विकास और उत्पादन को बाजार से जोड़ने की मुहिम भी तेज होगी। फसलों का उत्पादन बढ़ाने के साथ सरकार का जोर कृषि शिक्षा और अनुसंधान पर भी रहेगा योगी सरकार के कार्यकाल का 9 वां बजट में किसानों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं। रोजगार, उद्योग व गरीब उत्थान पर फोकस रहा। योगी सरकर के बजट में नए एक्सप्रेसवे की घोषणा, किसानों व महिला कल्याण के लिए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया गया। इसके अलावा जीरो पॉवर्टी योजना की भी घोषणा हुई इस घोषणा के मुताबिक, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के करीब 3 करोड़ किसानों को करीब 79,500 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया गया है उन्होंने सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की गई । बजट के दौरान विधानसभा में कहा कि बजट में इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि समाज के सभी वर्गों का समान विकास हो। प्रदेश की जो इमेज बनी हुई है उसमें बदलाव आए। सीएम योगी ने कहा कि इस बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ रुपये से अधिक का है। वर्ष 2024-25 के बजट के सापेक्ष इसमें 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश के बजट के आकार में यह बढ़ोत्तरी राज्य के सामर्थ्य के अनुरूप है। यह बजट अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।



**बजट** के जरिए खेती किसानी, युवाओं व सामाजिक योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। जबकि कई महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए बजट प्रावधान किया है। बजट में पिछड़े वर्गों के विकास को खास तरजीह दी गई है।

**राजेन्द्र सिंह खड़गवंशी ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी (अमरोहा)**

**प्रदेश** सरकार का 9 वें बजट में युवा, किसान और महिलाओं के लिए प्रावधान रही बजट में 25 हजार करोड़ की नई परियोजनाओं का ऐलान होने की संभावनाए है।

**सतीश अग्रवाल वरिष्ठ भाजपा नेता आदमपुर अमरोहा ।**

**हर** जिले में लेबर अड्डे बनाए जाएंगे जहां कैंटीन टॉयलेट आदि की सुविधा रहेगी अन्य प्रदेशों की तर्ज पर यूपी में भी अच्छे अंक लाने वाले प्रतिभाग्यशाली 12वीं के छात्रों को फ्री स्कूटी मिलेगी एवं युवाओं को ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा।

**राजीव गोयल भाजपा मंडल अध्यक्ष आदमपुर अमरोहा।**

**इस** बजट में गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया गया है।वृद्ध एवं अशक्त व्यक्तियों के लिए आवासीय गृह संचालित करने के लिए स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता प्रदान करने के लिए कहा।

**रामपाल खड़गवंशी पूर्व जिला पंचायत सदस्य।**

## फ्रांस ने धरती पर बना डाला सूर्य, 22 मिनट तक धधकता रहा

एजेंसी

**पेरिस।** फ्रांस में मौजूद एक न्यूक्लियर फ्यूजन मशीन ने 22 मिनट से ज्यादा समय तक प्लाज्मा बनाए रखा है। यह चीनी मशीन द्वारा बनाए गए पिछले विश्व रिकॉर्ड से लगभग 5 मिनट ज्यादा है। ऐसी मशीनों को अक्सर आर्टिफिशियल सन कहा जाता है, क्योंकि ये उन्हीं प्रक्रियाओं की नकल करता है जो सूर्य तारों के केंद्र में होती हैं। पिछले महीने, चीन की ईस्ट यानी एक्सपेरिमेंटल एडवांस्ड सुपरकंडक्टिंग टोकमेक मशीन ने 1,066 सेकंड तक प्लाज्मा को स्थिर अवस्था में बनाए रखा था। यह 2023 में ईस्ट द्वारा बनाए गए 403 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड से अधिक था। 12 फरवरी को, वेस्ट ने 1,337 सेकंड तक प्लाज्मा बनाए रखकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वेस्ट और वेस्ट दोनों ही प्रयोगात्मक फ्यूजन मशीनें हैं, जिनका विकास एक वैश्विक वैज्ञानिक टीम कर रही है। ये सभी वैज्ञानिक फ्रांस में बन रहे फ्यूजन रिएक्टर आईटीईआर प्रोजेक्ट से भी जुड़े हैं।

## मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत के कृषि-निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि

# प्रथम बार हुए कई महत्वपूर्ण निर्यातों ने रचा इतिहास

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत के कृषि निर्यात में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है जिसमें कई उत्पादों ने पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बनाई है। यह ऐतिहासिक विस्तार न सिर्फ व्यापार के संदर्भ में है अपितु यह किसानों को सशक्त बनाने, ग्रामीण आय को बढ़ावा देने और भारत की समृद्ध कृषि विरासत को वैश्विक पटल पर लाने से भी जुड़ा है। विशिष्ट फलों से लेकर पारंपरिक भोज्य पदार्थों तक, निर्यात की यह पहली खेपें इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि मोदी सरकार का आत्मनिर्भर भारत का विजन भारतीय किसानों के लिए किस तरह से नए अवसरों का सृजन कर रहा है। भारत के कृषि निर्यात में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने समुद्री मार्ग से क्रमशः प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की पहली खेप को सफलतापूर्वक ऑस्ट्रेलिया भेजा। यह सफलता न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में भारत के ताजे फलों की बाजार पहुंच को बढ़ाती



है, बल्कि इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक भारतीय उत्पादों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त होता है। भारत के अनोखे जीआई-टैग युक्त पुरंदर अंजीर अब यूरोप में धूम मचा रहे हैं। वर्ष 2024 में, मोदी सरकार ने पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस को पोलैंड को निर्यात करने की सुविधा दी। इससे पहले इसे वर्ष 2022 में जर्मनी को भी निर्यात किया गया था। पुरंदर अंजीर अपने विशिष्ट स्वाद और रंग-रूप के लिए जाने जाते हैं। यह निर्यात वैश्विक मंच पर भारत के अनूठे कृषि-उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत द्वारा अपने फलों के निर्यात में विविधता लाने के प्रयास के अंतर्गत, स्थानीय रूप से 'कमलम' के नाम से जाने जाने वाले फाइबर और खनिज युक्त ड्रैगन फ्रूट को वर्ष 2021 में लंदन और बहरीन निर्यात किया गया। लंदन को निर्यात की गई खेप गुजरात के कच्छ क्षेत्र के किसानों से प्राप्त की गई थी, जबकि बहरीन को भेजी गई खेप पश्चिमी मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) के किसानों से प्राप्त की गई थी। वर्ष 2023 में भारत ने अमेरिका को हवाई मार्ग से ताजे अनार की अपनी पहली ट्रायल शिपमेंट निर्यात करके अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। महाराष्ट्र के भगवा अनार में निर्यात की पर्याप्त संभावनाएं हैं और देश से फलों के निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत राज्य के सोलापुर जिले से होता है। पूर्वोत्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में वर्ष 2021 में, असम के 'लेटेकु' के रूप में जाने जाने वाले बर्मी अंगूर की पहली खेप को दिल्ली के माध्यम से गुवाहाटी से दुबई भेजा गया। इस निर्यात ने असम के विदेशी उत्पादों को वैश्विक मानचित्र पर स्?थान दिला दिया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की क्षमता भी सिद्ध हुई है। वर्ष 2021 में जर्मनी को त्रिपुरा से भारत के ताजे कटहल का स्वाद मिला। पहली बार हवाई मार्ग से त्रिपुरा से जर्मनी तक ताजे कटहल की एक खेप निर्यात की गई। अगरतला से एक मीट्रिक टन ताजे कटहल की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई गई।

यह उपलब्धि मोदी सरकार द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात मानचित्र पर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को दशार्ती है। पहली बार वर्ष 2021 में पूर्वोत्तर क्षेत्र से जीआई उत्पादों के निर्यात को एक महत?वपूर्ण आकार देते हुए, नागालैंड से किंग मिर्च के नाम से विख्यात राजा मिर्च की एक खेप को पहली बार हवाई मार्ग से गुवाहाटी के रास्ते लंदन निर्यात किया गया। इसकी जल्दी खराब होने वाली प्रकृति को देखते हुए, इस उत्पाद का निर्यात करना एक चुनौती थी लेकिन भारत ने सफलतापूर्वक इसके हवाई शिपमेंट की सुविधा प्रदान की, जिसने विशेष कृषि-निर्यात को संभालने में भारत की क्षमताओं को उजागर किया।

वर्ष 2021 में, भारत की चावल निर्यात क्षमता को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन देते हुए, लाल चावल की पहली खेप को अमरीका के लिए निर्यात किया गया। असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में बिना किसी रासायनिक खाद के आयरन से भरपूर लाल चावल उगाया जाता है। चावल की इस किस्म को बाओ-धान कहा जाता है और यह असमिया भोजन का एक अभिन्न अंग है। वर्ष 2022 में भारत ने केरल के एनार्कुलम से दुबई और शारजाह, यूएई के लिए जीआई टैग युक्त वजाकुलम अनानास की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई गई। इससे अनानास किसानों को अधिक आय अर्जित होगी और वैश्विक बाजार में उनके उत्पाद का अधिक प्रचार होगा।

## दुनिया के सबसे सस्ते शहरों में भारत मिस्र और पाकिस्तान के शहर शामिल

सबसे मंहगे शहरों में स्विट्जरलैंड शीर्ष पर

एजेंसी

**बेलग्रेड ।** साल 2025 के लिए दुनिया के सबसे महंगे और सस्ते शहरों की सूची जारी की गई है। सूची में कुल 327 शहर शामिल हैं, इसमें भारत, मिस्र और पाकिस्तान के शहर सबसे ज्यादा सस्ते हैं। सबसे सस्ता शहर (327वें नंबर पर) भारत का कोयंबटूर है। वहीं सबसे महंगी (शीर्ष पर) स्विटजरलैंड की ज्यूरिख सिटी है। यह सर्वे न्यूयॉर्क की जीवन लागत के आधार पर दुनियाभर के शहरों में खर्च की तुलना करके किया गया है। सर्वे में घर का किराया, खाना और क्रय शक्ति को शामिल किया गया है। सूची के शुरूआती तीन सबसे महंगे शहर स्विट्जरलैंड के हैं। ज्यूरिख के बाद लॉजेन और जिनेवा दुनिया के दूसरे और तीसरे सबसे महंगे शहर हैं। अमेरिका का न्यूयॉर्क चौथे स्थान पर है। स्विट्जरलैंड का ही बाजेल पांचवें और बर्न छठे स्थान पर हैं। सूची में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को का सातवां और होनोलूलू का आठवां स्थान हैं। आइसलैंड का रेकजाविक और अमेरिका का बोस्टन भी दस सबसे महंगे शहरों की सूची में हैं। इसके बाद सिंगापुर 11वें, वॉशिंगटन 13वें और लंदन 14वें स्थान पर है। सूची में भारत का कोयंबटूर दुनिया का सबसे सस्ता शहर है। इसके बाद मिस्र का अलेक्जेंड्रिया (326वें स्थान पर) आता है। पाकिस्तान का लाहौर तीसरा सबसे सस्ता (325वां स्थान) और कराची चौथा सबसे सस्ता शहर है।

## खास खबर

### आज भी विज्ञापन जगत में गांगुली की मांग

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के सन्यास लिए काफी लंबा समय हो गया है। इसके बाद भी वह विज्ञापन जगत में अपनी जगह बनाये हुए हैं। भातरीय क्रिकेट को आक्रामक बनाने वाले गांगुली आज भी विज्ञापन जगत के पसंदीदा चेहरों में से एक हैं। वह 40 से ज्यादा ब्रांड्स के साथ जुड़े हुए हैं। वह बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, कपड़े और फैंटेसी स्पोर्ट्स के कई ब्रांड्स से जुड़े हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गांगुली की उनकी लोकप्रियता का कारण मेहनती और विश्वसनीय होना है। वह हर ब्रांड के लिए पूरी ताकत लगा लेते हैं। इससे ब्रांड को विश्वसनीयता और जुड़ाव मिलता है। इससे ब्रांड को बाजार में काफी तेजी से लाभ मिलता है। बल्कि बाजार में फायदा भी दिलाता है। उनकी नेटवर्थ भी भी करीब 700 करोड़ रुपए है।

### एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तमिलनाडु का जलवा

चेन्नई। 23वें राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तमिलनाडु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 47 पदक अपने नाम किए। इसमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 12 कांस्य पदक हैं। पदक तालिका में तमिलनाडु दूसरे स्थान पर रहा। यह चैंपियनशिप तमिलनाडु के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के 1,476 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया और 155 इवेंट्स में प्रतिस्पर्धा की। तमिलनाडु के खेल प्रदर्शन के अनुसार, जीवा मुथुराज ने पुरुषों की 100 मीटर टी38 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रकार शील अब्दुल कादर के.एम. ने पुरुषों की 100 मीटर टी45/टी46/टी47 स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया और राजेश कुमार ने पुरुषों की 100 मीटर टी62/टी64 स्पर्धा में कांस्य पदक तक तक पहुंचने में सफल रहे। 23वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप के कुल परिणाम के अनुसार, हरियाणा ने कुल 106 पदक जीतकर चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें 49 स्वर्ण, 32 रजत और 25 कांस्य पदक शामिल हैं।

### रिप्लेसमेंट को लेकर जलज ने उठाये सवाल

**अहमदाबाद ।** यहां केरल और गुजरात के बीच रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट के पहले सेमीफाइनल में स्पिनर रवि बिश्नोई के कन्कशन रिप्लेसमेंट के तौर पर गेंदबाजी ऑलराउंडर हेमंग पटेल को उतारे जाने से विवाद उठा है। इस मैच के दौरान बिश्नोई चोटिल हो गए थे जिसके बाद गुजरात को उनके रिप्लेसमेंट के रूप में किसी स्पिनर को उतारना था पर उसने ऑलराउंडर हेमंग पटेल को उतार दिया। गुजरात के इस फैसले का केरल के जलज सक्सेना ने विरोध किया है। केरल ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 457 रन लगाए, गुजरात की टीम ने बल्लेबाजी के दौरान ही बिश्नोई के रिप्लेसमेंट की जानकारी केरल को दी जबकि। बिश्नोई के चेहरे पर फील्डिंग के दौरान चोट लग गई थी। उनकी नाक से भी खून निकल रहा था। जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

# ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला आज

एजेंसी

**लाहौर।** आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शनिवार को यहां के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला होगा। इस मैच में दोनों ही टीम जीत के साथ शुरूआत करना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया को पिछली दो सीरीज में श्रीलंका और पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। वहीं कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम ने 2023 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद से कोई एकदिवसीय सीरीज नहीं जीती है। इस टूनार्मेंट से पहले उसे भारत में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों की हालत एक सी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में इस बार पैट कमिंस कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होने के कारण शामिल

नहीं हैं। इससे भी वह कमजोर हुई है। नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट जैसे युवा तेज गेंदबाजों को टीम में जगह मिली है। वहीं टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच में मध्य के ओवरों में स्पिनरों को सहायता मिलती है। दोनों टीमें इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेंगी। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद अहम भूमिका निभा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के पांच बड़े खिलाड़ी चोटों के कारण टीम से बाहर है। इसमें कमिंस , जोश हेजलवुड , मिचेल स्टार्क के अलावा ऑलराउंडर मिचेल मार्श व कैमरन ग्रीन हैं। वहीं मार्कस स्टोइनस ने संन्यास ले लिया है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम के पास जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स के रूप में एक अच्छा आक्रमण है। उसके पास स्पिनर आदिल रशीद स्पिन हैं

**दोनो ही टीमें इस प्रकार**

**इंग्लैंड:** जोस बटलर (कप्तान), फिल सॉल्ट, बेन डकेट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जो रूट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

**ऑस्ट्रेलिया:** स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रैविस हेड, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट, एडम जम्पा।

जिन्हें खेलना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रीहेगा। बल्लेबाजी में उसे हैरी ब्रूक, बेन डकेट , जो रुट जैसे बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

## सुनील कुमार ने पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

एजेंसी

**ऊना।** ऊना जिले के अंब उपमंडल के ललियाड़ संतु गांव के पैरा एथलीट सुनील कुमार ने 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 17 से 20 फरवरी तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न स्पधाओं में देशभर के बेहतरीन पैरा एथलीटों ने हिस्सा लिया। सुनील कुमार की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, युवा मामले एवं खेल मंत्री यादविंद्र गोमा तथा ऊना जिला प्रशासन ने उन्हें बधाई दी है। प्रदेश सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और होनहार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग

प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सुनील कुमार की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, चेन्नई में आयोजित 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में ऊना जिला के अंब उपमंडल के होनहार पैरा एथलीट सुनील कुमार ने जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यह प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। मैं उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

## चीन ने फीबा पुरुष एशिया कप में स्थान किया सुरक्षित

एजेंसी

**शेन्जेन।** चीनी पुरुष बास्केटबॉल टीम ने गुरुवार शाम 2025 फीबा एशिया कप क्वालीफायर के ग्रुप सी गेम में जापान पर 100-58 से जीत हासिल की, जिससे एशिया कप में उसकी जगह पक्की हो गई।

चार क्वालीफाइंग मैच जीतकर पहले ही टूनार्मेंट के लिए क्वालीफाई कर चुके जापान ने इससे पहले फरवरी 2024 में चीन को 76-73 से हराया था।

चीन ने शुरू से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें झू जुनलॉन्ग ने लेअप के साथ स्कोरिंग की शुरूआत की। जबकि झाओ रुई और जू जी ने लगातार

बास्केट जोड़े, जिससे चीन को 8-0 की बढ़त मिली। फॉरवर्ड जेंग फैनबो ने थ्री-पॉइंटर मारा जिससे चीन ने दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त को दोहरे अंकों तक बढ़ाया। जापान ने चीन की मजबूत रक्षा के खिलाफ स्कोर करने के लिए संघर्ष किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में ही स्कोरिंग का सूखा खत्म हुआ। चीन ने आखिरी क्वार्टर में 31 अंक बनाए और 100-58 के साथ अपनी चौथी जीत दर्ज की। चीन के हू जिनकिउ और जापान के रयूसेई सासाकी दोनों ने खेल में सर्वाधिक 17 अंक बनाए, जबकि झाओ ने मेजबान के लिए 16 अंक बनाए। चीन के मुख्य कोच गुओ शिकियांग ने कहा, दोनों टीमों ने प्रशंसकों को रोमांचक खेल दिखाया। हमारा ध्यान, रक्षात्मक रणनीति और तेज ब्रेक बिल्कुल सही थे। इससे पहले गुरुवार को मंगोलिया ने गुआम को 74-63 से हराकर ग्रुप सी में अपनी पहली क्वालीफाइंग जीत दर्ज की। शेड्यूल के अनुसार, चीन रविवार को तीसरे विंडो के दूसरे गेम में गुआम का सामना करेगा, जबकि जापान मंगोलिया से भिड़ेगा।

## रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने

एजेंसी

**दुबई ।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बन गये हैं।

इससे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली के नाम ही कप्तान के तौर पर 100 मैच जीतने का रिकार्ड है। रोहित ने अपने 138वें मैच में कप्तानी करते हुए जीत का शतक लगाया। रोहित का अब

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत प्रतिशत 72 से ज्यादा का है, जो 22 से ज्यादा मैच खेलने वाले सभी कप्तानों में सबसे अधिक है। उनकी तुलना में धोनी का जीत प्रतिशत 53.61, अजहरुद्दीन का 47.05 और कोहली का 63.38 रहा। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कुछ समय पहले टी20 विश्व कप भी जीता था। अब उनकी नजरें देश को चैंपियंस ट्रॉफी के तौर पर दूसरा खिताब जिताना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को 228 पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को चार विकेट खोकर 231 रन बनाकर हासिल कर लिया था।

## मैंने और रोहित ने पाया कि बल्लेबाजी आसान नहीं थी : शुभमन

एजेंसी

**दुबई ।** भारतीय क्रिकेट टीम युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट के पहले ही मैच में शतक लगाने से उत्साहित हैं। शुभमन के 101 रनों से भारतीय टीम ने बांग्लादेश से मिले जीत के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। शुभमन ने जीत के बाद कहा कि कि ये उनकी सबसे अच्छी पारियों में से एक रही। आईसीसी इवेंट में ये मेरा पहला शतक है। जिस तरह से मैंने प्रदर्शन किया उससे मैं बहुत खुश हूं। जब मैं रोहित शर्मा मैदान पर उतरे तो हमने पाया कि बल्लेबाजी आसान नहीं थी क्योंकि ऑफ-स्टंप के बाहर की गेंदें अच्छी तरह से बल्ले पर नहीं आ रही थीं! इसलिए मैंने अपने पैरों का इस्तेमाल करके तेज गेंदबाजों को खेला। वहीं जब स्पिनर आए, तो

मैं और विराट कोहली बात कर रहे थे कि फ्रंट फुट से एक रन बनाना आसान नहीं है, इसलिए हम बैक फुट से रन बनाने के प्रयास कर रहे थे। इसलिए हम एक-एक रन बनाकर स्ट्राइक रोटेट करते रहते रहे। एक समय पर हम पर थोड़ा दबाव था। बाहर से संदेश आया कि मुझे अंत तक बल्लेबाजी करनी है और मैंने यही किया।

### गांगुली के काफिले की कार टकरायी, सभी सुरक्षित

**कोलकाता ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष रहे सौरव गांगुली के काफिले की एक कार हादसे का शिकार होते होते बची है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कार्यक्रम के लिए बर्दवान जाते समय उनके काफिले की गाड़ी से एक लॉरी टकरा गयी। इससे गांगुली की कार के ड्राइवर को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा पर राहत की बात ये रही कि किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। यह घटना हुगली के दादपुर में दुगार्पुर एक्सप्रेसवे पर की है। जब ये घटना हुई उस समय बारिश हो रही थी। तभी सौरव के काफिले के सामने एक लॉरी ने अचानक ब्रेक लगाई। इसके बाद गांगुली की कार के चालक ने भी ब्रेक लगा दिए, लेकिन काफिले के पीछे चल रही दो कारों के बीच मामूली टक्कर हो गई।

## अब तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेल का आनंद लेना चाहता हूं : महेंद्र सिंह धोनी

एजेंसी

**मुंबई ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद केवल आईपीएल में ही खेलते नजर आते हैं। धोनी अब 43 साल के हो गये हैं और माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 के बाद वह इस लीग में भी शायद ही खेलें। ऐसे में अब धोनी करियर के अंतिम समय में तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेलना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में ही चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने पांच बार खिताब जीता था पर पिछले सत्र में उन्होंने कप्तानी भी छोड़ दी थी। धोनी का कहना है कि अभी वह आईपीएल खेलते रहेंगे पर वह

किसी बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने का आनंद उठाना चाहते हैं। आईपीएल में वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उनके संन्यास के पांच साल से अधिक हो गये हैं। ऐसे में अब उन्हें ह्यअनकैप्ड क्रिकेटर के तौर पर ही शामिल किया गया है।

धोनी ने कहा कि मैं 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुका हूं। इस बीच मैं जितने भी साल खेलने के बचे हैं, उसमें एक बच्चे की तरह अपने खेल का आनंद लेना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं उसी तरह से इसका मजा लेना चाहता हूं जैसे अपने स्कूली दिनों में लेता था। जब मैं एक कॉलोनी में रहता था और दोपहर 4 बजे खेलने का समय होता था। हम उस समय क्रिकेट ही खेला करते थे। मौसम खराब होने पर फुटबॉल खेलते थे। मैं उसी मासूमियत के साथ खेलना चाहता हूं हालांकि यह उतना आसान नहीं है। धोनी ने कहा कि भारत के लिए खेलते समय उनका ध्यान हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता था और बाकी सब बाद में आता था। उन्होंने कहा कि एक क्रिकेटर के तौर पर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए मैं हमेशा अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। मैं पहले भी कह चुका हूं कि हर किसी को देश के लिए खेलने का अवसर नहीं मिलता। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को अपने लिए सही प्राथमिकताएं निर्धारित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि आपको यह पता करना होगा कि आपके लिए क्या सही है। जब मैं खेलता था तो मेरे लिए क्रिकेट ही सब कुछ था, बाकी कुछ मायने नहीं रखता था।

## कोच बदलने का कोई इरादा नहीं : मनु भाकर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि उनका कोच बदलने का कोई इरादा नहीं हैं और जसपाल राणा ही आगे भी उनके कोच बने रहेंगे। राणा को हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि वह मनु के कोच नहीं रहेंगे। राणा ही पेरिस ओलंपिक में मनु के कोच थे जिसमें मनु ने दो कांस्य पदक जीते थे। राणा और मनु के बीच ओलंपिक से पहले भी एक बार मतभेद की खबरें आई थीं पर

दोनो ने ही पेरिस ओलंपिक में एकसाथ आकर उन्हें गलत साबित किया था। मनु ने राणा के मार्गदर्शन में ही एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते थे। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। मनु ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद कहा,ह्यमैं इतना ही कहूंगी कि राणा मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं। वह काफी प्रतिभाशाली हैं और मेरे लिये बहुत अच्छे कोच रहे हैं। मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के सिंगल्स और टीम इवेंट में कांस्य पदक जीते थे। पेरिस ओलंपिक 2024 में मनु भाकर शानदार प्रदर्शन कर एक सफल खिलाड़ी साहित हुईं। उनके बेहतर प्रदर्शन के कारण उन्हें देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से नवाजा गया। पेरिस ओलंपिक के बाद उनकी नेटवर्थ में भी बड़ी इजाफा हुआ है।

## शमी ने बताया किसके लिए था सेलिब्रेशन

एजेंसी

**दुबई ।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट के पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। शमी ने सौम्य सरकार, मेहदी हसन मिराज, जाकेर अली , तंजीम हसन साकिब और तस्कीन अहमद जैसे बल्लेबाजों को आउट किया। इस दौरान तस्कीन का विकेट लेने के बाद शमी ने फ्लाइंग किस दिया जिसपर सभी का ध्यान गया। मैच के बाद शमी ने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पिता के लिए था, उनके पिता का 2017 में निधन हो गया था। शमी ने कहा, यह मेरे पिता

के लिए है क्योंकि वह मेरे आदर्श हैं। वह हमेशा मेरे साथ हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा ने शमी का समर्थन करते हुए कहा कि शमी का राष्ट्रीय टीम में वापसी करना जरूरी था। इस पर शमी ने कहा- चाहे कप्तान हो या कोच, हर खिलाड़ी के लिए यह समर्थन बहुत जरूरी है। क्योंकि जब आप इतने बड़े टूनार्मेंट के लिए योजना बनाते हैं, अगर आपके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो आप पर भरोसा करते हैं, तो इससे कप्तान और टीम को मन की शांति मिलती है। उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। देने वाला ऊपर बैठा है, तो वो उतना ही देगा जितना भाग्य में है। लेकिन मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करता हूं। मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, जो भूमिका दी गई है, क्या मैं उस जिम्मेदारी को पूरा कर पा रहा हूं, मैं हमेशा यही पता लगाने की कोशिश करता हूं।

# एमएलसी ड्राफ्ट: अग्नि चोपड़ा बने एमआई न्यूयॉर्क के नंबर 1 पिक

- जसदीप सिंह को सबसे बड़ी कीमत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** मशहूर बॉलीवुड निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा के बेटे अग्नि चोपड़ा को मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के घरेलू खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में एमआई न्यूयॉर्क ने अपनी नंबर 1 पिक के रूप में चुना। सलामी बल्लेबाज को 50,000 डॉलर की कीमत पर टीम में शामिल किया गया। उन्होंने 2023-24 रणजी ट्रॉफी सत्र में शानदार प्रदर्शन कर भारत में पहचान बनाई थी, जहां उन्होंने चार मैचों में चार शतक जड़े थे। इसके बाद 2024-25 सीजन में मिजोरम के लिए खेलते हुए उन्होंने 94.94 की औसत से 1804 रन बनाए। चोपड़ा अमेरिकी नागरिकता के आधार पर घरेलू खिलाड़ी के रूप में ड्राफ्ट में योग्य हुए। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, उनका यूएसए जाने का फैसला बीसीसीआई की रणजी ट्रॉफी में विदेशी पासपोर्ट धारकों के खेलने पर रोक की नीति के कारण आया। हालांकि, ड्राफ्ट में सबसे महंगे खिलाड़ी 32 वर्षीय अमेरिकी तेज गेंदबाज जसदीप सिंह बने, जिन्हें सिएटल ऑर्कस ने 75,000 डॉलर में साइन किया। जसदीप के लिए यह ड्राफ्ट एक बड़ा मोड़ साबित हुआ, क्योंकि वह 2023 में एमआई न्यूयॉर्क के पूरक ड्राफ्ट में शामिल थे और 2024 में वाशिंगटन फ्रीडम के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर चुने गए थे। पिछले सीजन में उन्होंने दो मैच खेले थे और दोनों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

टेक्सास सुपर किंग्स ने भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शुभम रंजने को 75,000 डॉलर में खरीदकर बड़ा कदम उठाया। सिएटल ऑर्कस

द्वारा रिलीज किए जाने के बाद रंजने ने अपनी पावर हिटिंग और सीम गेंदबाजी के दम पर ड्राफ्ट में ऊंची बोली हासिल की। सुपर किंग्स ने युवा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टीफन विग को भी 15,000 डॉलर में साइन किया। सिएटल ऑर्कस ने 35 वर्षीय अनुभवी बल्लेबाज सुजीत नायक को 40,000 डॉलर में अपनी टीम में शामिल किया। नायक पहले मुंबई इंडियंस और दिल्ली डेयरडेविल्स का हिस्सा रह चुके हैं। टीम ने मौजूदा अमेरिकी खिलाड़ी स्टीवन टेलर (25,000 डॉलर) और शायन जहाँगीर (20,000 डॉलर) पर भी भरोसा जताया। लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, सैन फ्रॉसिस्को यूनिकॉर्न्स और वाशिंगटन फ्रीडम ने भारी रिटेंशन के साथ ड्राफ्ट में प्रवेश किया। नाइट राइडर्स ने बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक गट्टेपल्ली (15,000 डॉलर) को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जबकि फ्रीडम ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अभिषेक पराडकर (10,000 डॉलर) को चुना।

बे एरिया के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज राहुल जरीवाला, जिन्होंने 18 साल की उम्र में 2022 में यूएसए के लिए डेब्यू किया था, को सिएटल ऑर्कस ने रूकी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया। युवा लेग स्पिनर एडम खान और अकिलीज ब्राउन को क्रमशः सुपर किंग्स और यूनिकॉर्न्स ने साइन किया। श्रीलंका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज शेहान जयसूर्या को ड्राफ्ट में कोई खरीदार नहीं मिला। इसी तरह, वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल भी अनसोल्ड रहे, हालांकि वह जून में यूएसए के लिए खेलने के पात्र होंगे। एमआई न्यूयॉर्क ने अग्नि चोपड़ा के अलावा तजिंदर सिंह ढिल्लों (50,000 डॉलर) और शरद लुंबा (15,000 डॉलर) को भी अपने स्क्वॉड में शामिल किया। ये दोनों खिलाड़ी 2018 में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा, फ्रैंचाइजी ने कुंवरजीत सिंह (20,000 डॉलर) को भी अपनी टीम में लिया, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।

शेनजेन में आईटीटीएफ एशियन कप टेबल टेनिस में खेलती हुई भारत की श्रीजा अकुला।

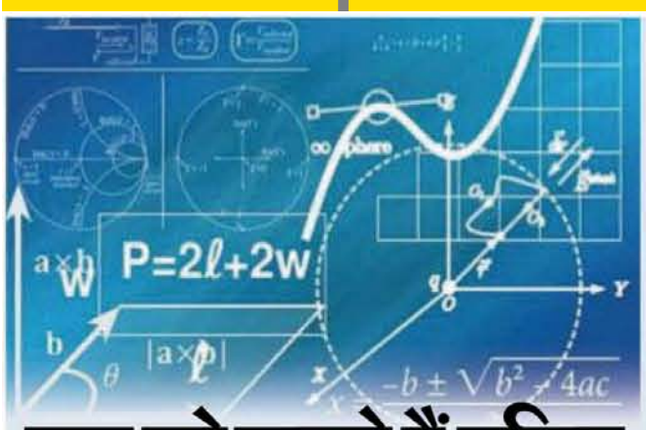


# खुद को मानते हैं गणित का एक्सपर्ट तो इन फील्ड में बना सकते हैं शानदार करियर

**गणित का नाम चुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं, छात्रों के बीच गणित विषय को बेहद कठिन विषय समझा जाता है। यही कारण है कि गणित विषय की पढ़ाई के दौरान छात्रों को नींद तक आने लगी है। हालांकि यदि आप प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से समझें, तो इस विषय में अच्छी पकड़ बनाकर महारत हासिल कर सकते हैं। गणित विषय का मतलब केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है, इस विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद करियर की अपार संभावनाएं हैं। ज्ञान की दुनिया में गणित विषय असाधारण भाषा है, आज के समय में पूरी टेक्निलॉजी व इकोनॉमी जगत इसी भाषा पर टिका है।**

भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। इस देश में प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य ने अपने ज्ञान से इस मानव सभ्यता के विकास में योगदान दिया। वहीं आधुनिक काल में डॉ.गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम आपको गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

## इकोनॉमिस्ट

आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके उसका मूल्यांकन करने का कार्य एक इकोनॉमिस्ट करता है। साथ ही यह भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। इनका कार्य विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करना है। ये उस डाटा पर रिसर्च व विश्लेषण करते हैं। एक इकोनॉमिस्ट बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। इसके लिए इकोनॉमी में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद इकोनॉमिक्स, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

## सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग में करियर की नींव ही गणित के ज्ञान से पड़ती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है, तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं। जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

## स्टैटिस्टिक्स

जिन लोगों को गणित में महारत हासिल है, उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में करियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। एक स्टैटिस्टिक्स को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में स्टैटिस्टिक्स की काफी मांग होती है। स्टैटिस्टिक्स बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना जरूरी है।

## चार्टर्ड एकाउंटेंट

अगर आप चार्टर्ड एकाउंटेंट बनना चाहते हैं, तो इसका जान लें कि इसका पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के नए स्कोप जुड़ते जा रहे हैं। गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए यह एक अच्छा करियर विकल्प बन सकता है।

## डाटा एनालिस्ट

डाटा एनालिस्ट का गणित से अटूट संबंध है। इसके लिए विभिन्न गणितीय सूत्रों और एल्गोरिदम के व्यापक ज्ञान की आवश्यकता होती है। एक डाटा एनालिस्ट का कार्य डेटा एकत्र करना और मिलान करना, डैशबोर्ड बनाना, संबंध डेटाबेस को डिजाइन करना और बनाए रखना जैसे बहुत कुछ शामिल है। वे संगठनात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने, डेटा को साफ करने, व्याख्या करने और विश्लेषण करने, अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट करने और हितधारकों के लिए आगे का रास्ता बताने के लिए आईटी फंक्शन के साथ मिलकर काम करते हैं। डाटा एनालिस्ट के पास अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल, विभिन्न सांख्यिकीय टूल का नॉलेज होना जरूरी है।

## बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आपके लिए बैंकिंग सेक्टर में व्यापक करियर ऑप्शन मिल जाएंगे। यहां पर आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स पर अपना शानदार करियर बना सकते हैं। इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

## मैथमेटिशियन

अगर आपको लगता है कि मैथ के साथ आपका कई जन्मों का रिश्ता है और आप अपने आप को इस विषय में सबसे ज्यादा माहिर समझते हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह ऐसा प्रोफेशन है, जहां पर गणित के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य किया जाता है। इसके अलावा इनका कार्य लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करना भी है। इस क्षेत्र में भी गणित का ज्ञान होना बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

## कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप इस फील्ड में आगे नहीं बढ़ सकते। वहीं अगर आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप इस विषय में मास्टर हैं, तो यहां पर शानदार करियर बना सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

# चाहते हैं नेटिव स्पीकर्स की तरह इंग्लिश बोलना तो इन टिप्स को करें फॉलो

**हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं, जो शानदार तरीके से इंग्लिश को लिखना और समझना जानते हैं, लेकिन जब बात इंग्लिश स्पोकन की आती है, तो वो भी हाथ खड़े कर लेते हैं। वहीं कई ऐसे लोग भी होते हैं जिनकी इंग्लिश स्पीकिंग स्किल्स अच्छी होती है, लेकिन वह फ्लो और नेटिव इंग्लिश बोलना चाहते हैं। नेटिव इंग्लिश के लिए एक अच्छे प्रोसेस की जरूरत होती है, जिसमें न सिर्फ बोलना, बल्कि सुनना भी बेहद जरूरी है।**

ग्लोबलाइज होती इस दुनिया में आज के समय इंग्लिश लैंग्वेज का आना बहुत जरूरी है। इस लैंग्वेज में आपको जितनी माहरत हासिल होगी, आपको करियर में आगे बढ़ने के मौके भी उतने ही मिलंगे। हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं, जो शानदार तरीके से इंग्लिश को लिखना और समझना जानते हैं, लेकिन जब बात इंग्लिश स्पोकन की आती है, तो वो भी हाथ खड़े कर लेते हैं। वहीं कई ऐसे लोग भी होते हैं जिनकी इंग्लिश स्पीकिंग स्किल्स अच्छी होती है, लेकिन वह फ्लो और नेटिव इंग्लिश बोलना चाहते हैं। नेटिव इंग्लिश के लिए एक अच्छे प्रोसेस की जरूरत होती है, जिसमें न सिर्फ बोलना, बल्कि सुनना भी बेहद जरूरी है। जब भी आप किसी नेटिव स्पीकर को इंग्लिश बोलते हुए सुनते हैं, तो उनसे सीखना बेहद आसान हो जाता है। तो चलिए जानते हैं कौन-सी हैं वे आसान टिप्स, जिनसे आप भी नेटिव इंग्लिश बोलना सीख सकते हैं।

### अपने एक्सेंट पर ध्यान दें

इंग्लिश लैंग्वेज में मोटिवेशन, रिपीट करना और एक्सपोजर बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए, नेटिव स्पीकर्स की लाइंस, सेंटेंस और भावों को दोहराएं, उन्हें अपने रोजाना के कम्युनिकेशन में इस्तेमाल करके याद रखने की कोशिश करें। साथ ही ऐसे लोगों के साथ संपर्क बनाए रखें, जिसकी नेटिव इंग्लिश बहुत अच्छी हो। संभव हो तो सोशल मीडिया के माध्यम से किसी विदेशी के संपर्क में रहने की कोशिश करें और उससे बातचीत करें। इससे आपकी झिझक खत्म हो जाएगी और आप उनके मॉडुलन, इंटोनेशन और सबसे जरूरी कल्चर के आदी हो जाएंगे।

### शब्दावली अच्छी करें

अगर इंग्लिश में अपनी पकड़ बनाना चाहते हैं तो, किसी भी नए इंग्लिश कंटेंट को सुनने के बाद उसे रिकॉल जरूर करें यानि दोहराते रहें। अपनी इंप्रूव की गई शब्दावली को लिखें और उसे रोजाना याद करें। जब भी आप इंग्लिश का टेस्ट, मॉक टेस्ट या एग्जाम देते हैं, तो ज्यादा से ज्यादा नई शब्दावली का इस्तेमाल करें। जब भी हम नेटिव स्पीकर को भाव व्यक्त करते हुए सुनते हैं, तो उसे इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। कभी-भी अपनी शब्दावली को रिकॉल करना न भूलें, उन्हें लॉन्ग टर्म मेमोरी में रखें। टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल करें इंग्लिश स्पीकिंग में सुधार के लिए आप टेक्नोलॉजी का उपयोग भी कर सकते हैं। इंग्लिश के अपने एक्सेंट, वाक्यांश और एक्सप्रेशन को रिकॉर्ड करने के लिए आप अपने स्मार्ट फोन का उपयोग करें। अपनी स्पोकन को रिकार्ड करके उसकी दूसरी रिकॉर्डिंग के साथ तुलना करें। अपनी कमियों में सुधार करके वापस रिकॉर्ड करें और खुद को अच्छा करने के लिए मोटिवेट करें। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से नेटिव ट्यूटर्स की वीडियो देखें। इंग्लिश फिल्में और गाने देखें, जिससे आप उनका कल्चर भी समझ सकें। नेटिव स्पीकर्स के एक्सप्रेशन और बातचीत की स्किल्स को याद करने के लिए, संगीत, गीत, शब्द और म्युजिक आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं।

### अपनी वॉइस पर ध्यान दें

नेटिव इंग्लिश बोलने वालों की तरह अपनी वाइस को सही करने के लिए आपको बोलने वाले शब्दों को समझना भी जरूरी है। आप जो शब्द कहते हैं उसे जरूर समझें और नेटिव स्पीकर की तरह एक्सेंट में बोलें। इंग्लिश बोलते हुए आपके शब्दों की स्पीड, क्लैरिटी और टोन में सुधार आपकी स्पीकिंग को बेहतर बनाने में मदद करेगा। यह टिप नेटिव स्पीकर्स को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगी। रोजाना इडियम सुनें और उन्हें अपनी बोलचाल में इस्तेमाल भी जरूर करें।

### जोर से बोलकर पढ़ें

अपनी इंग्लिश स्पीकिंग को बेहतर बनाने के लिए इसे जोर से पढ़ना काफी फायदेमंद रहता है। यह अपनी एक्सेंट पर काम करने का एक शानदार तरीका है, इससे आपके शब्दो में क्लैरिटी आएगी। अगर आपने नेटिव स्पीकर्स को सुनने में काफी समय बिताया है, तो उनके बात करने के तरीके की नकल करने का प्रयास करें। भाषा के फ्लो के साथ अपनी आवाज को तेज और धीरे करने की कोशिश करें। ध्यान रखें जब भी आपको किसी शब्द में कंफ्यूजन हो, तो नेटिव स्पीकर उसे कैसे बोलते हैं यह जानना न भूलें।

### स्लैंग बोलते समय अपनाएं ये तरीका

अलग-अलग नेटिव स्पीकर्स अपने कम्युनिकेशन के दौरान अलग-अलग तरह के स्लैंग का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इनका मतलब एक ही होता है, लेकिन नेटिव स्पीकर्स अपने मुताबिक उन्हें बोलते हैं। आप एक नेटिव स्पीकस्र की तरह बोलेने में कभी झिझकें नहीं। अगर आप कलती करोगे तो उसे सीख कर सुधार भी करोगे, लेकिन अगर आप बोलोगे ही नहीं तो कुछ सीख भी नहीं पाओगे।

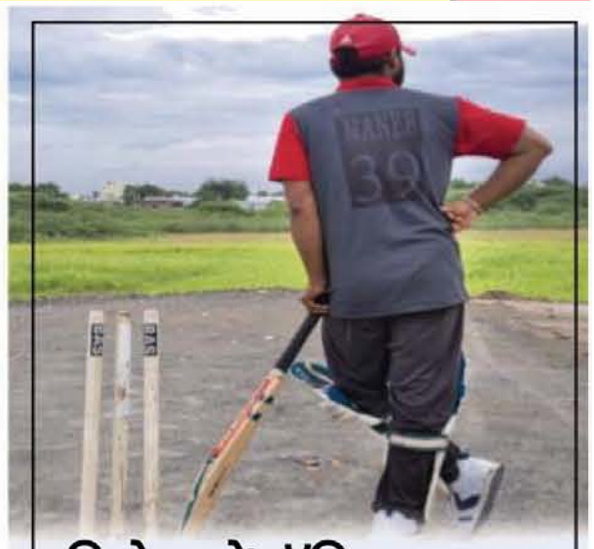

# क्रिकेट में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो ऐसे करें तैयारी

क्रिकेट में करियर बनाने के लिए आपको पहले क्रिकेट सीखने के लिए अकादमी जॉइन करनी पड़ेगी। देश के सभी बड़े शहरों में क्रिकेट अकादमी हैं जहां पर आप ट्रेनिंग के लिए दाखिला ले सकते हैं। अकादमी में दाखिला लेने से पहले उस संस्थान और कोच के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। अगर आपके बच्चे को क्रिकेट में रूचि है तो आप बचपन से ही उसकी ट्रेनिंग शुरू कर दें। वैसे तो क्रिकेट खेलने और सीखने की कोई निर्धारित उम्र नहीं होती लेकिन एक्सपर्ट्स के मुताबिक बच्चे की ट्रेनिंग 7 से 8 साल की उम्र से ही शुरू कर देनी चाहिए।

### क्रिकेट अकादमी में लें दाखिला

क्रिकेट में करियर बनाने के लिए आपको पहले क्रिकेट सीखने के लिए अकादमी जॉइन करनी पड़ेगी। देश के सभी बड़े शहरों में क्रिकेट अकादमी हैं जहां पर आप ट्रेनिंग के लिए दाखिला ले सकते हैं। अकादमी में दाखिला लेने से पहले उस संस्थान और कोच के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। दाखिला लेते समय यह भी ध्यान रखें कि जिस अकादमी में आप दाखिला लेने जा रहे हैं उसका आपके राज्य के क्रिकेट संघ के साथ संबंध होना चाहिए, यह आपके भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

### कैसे होगा आगे के लिए चयन

क्रिकेट अकादमी के दाखिला लेने के बाद खिलाड़ी को कई लेवल पार करने होते हैं। सबसे पहले छात्रों को सम्बंधित क्रिकेट क्लबों के द्वारा आयोजित घरेलू टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलता है। अगर आपका सिलेक्शन अंडर 15 में नहीं होता तो आपके पास अंडर 16, 17, 18 आदि में खेलने का मौका होता है। इसके बाद आप खेलते-खेलते आप नेशनल टीम जैसे रणजी, इंडिया अंडर 19 टीम में पहुंच सकते हैं। अगर रणजी में आपका अच्छा प्रदर्शन रहा तो आपका सिलेक्शन आईपीएल और टीम इंडिया में भी हो सकता है।

### कठिन परिश्रम और धैर्य की होगी जरूरत

क्रिकेटर बनने के लिए आपको कठिन परिश्रम करने की जरूरत होगी। क्रिकेट में कॅरियर बनने के लिए आपको धैर्य रखते हुए मेहनत करनी होगी। शुरुआत में भले ही आपको सफलता ना मिले लेकिन धैर्य और मेहनत से आप एक दिन अपने लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेंगे।

# सीजीएल परीक्षा को करना है क्रैक तो इस तरह करें पुख्ता तैयारी

**कर्मचारी चयन आयोग ने सीजीएल परीक्षा के लिए भर्ती शुरू कर दी है। आयोग ने इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 23 जनवरी, 2022 तक शुरू किया है। रेलवे, वित्त, सीएजी, सूचना प्रौद्योगिकी सहित अनेक विभागों में अलग-अलग पदों पर भर्ती निकली है। सीजीएल टियर-1 की परीक्षा अप्रैल में होगी। वहीं इसके टियर-2 और टियर-3 की परीक्षा की तारीख बाद में घोषित की जाएगी।**

कर्मचारी चयन आयोग ने सीजीएल परीक्षा के तहत असिस्टेंट अफसर, असिस्टेंट सेक्शन अफसर, असिस्टेंट एकाउंट अफसर, असिस्टेंट इनफॉर्मेशन अफसर, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, ऑडिटर, टैक्स असिस्टेंट, आदि पदों पर भर्ती निकली है। इस परीक्षा को क्रैक करना लाखों युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी इस परीक्षा को पास कर अच्छी सरकारी जॉब करना चाहते हैं, तो आपकी तैयारी पुख्ता होनी चाहिए।

### सिलेबस अच्छे समझ लें

सीजीएल परीक्षा की तैयारी करने से पहले सिलेबस को पूरी तरह समझना जरूरी है। इसके सिलेबस में पहेलियां, आकृति-आधारित प्रश्न, कोडिंग-डिकोडिंग, श्रृंखला जैसे विषय पर विशेष रूप से ध्यान दें, क्योंकि ये स्कोरिंग होते हैं। इन्हें हल करना शुरू करें और फिर, अधिक बहुमुखी प्रश्नों पर आगे बढ़ें। यदि आप नियमित रूप से अभ्यास करते हैं, तो आप कुछ हफ्तों के भीतर ही अपनी तैयारी में काफी सुधार देखेंगे। वहीं नॉन-वर्बल रीजनिंग विषय जैसे इमेज असेंबलिंग, फिगर-काउंटिंग आदि प्रश्नों को छोड़ें या अनदेखा न करें। क्योंकि वे शुरू में आपको समय लेने वाले लग सकते हैं। उनका अभ्यास करना उन्हें कम समय लेने वाला बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। अभ्यास करते समय आपको उचित सटीकता के साथ 20 मिनट में कम से कम 1520 प्रश्नों का प्रयास करना चाहिए। परीक्षा में भी, इस खंड को पूरा करने की कोशिश 20 मिनट से अधिक समय न दे।

### प्रभावी प्रैक्टिस कंटेंट तैयार करें

सीजीएल परीक्षा की तैयारी के लिए अगर आप किसी कोचिंग संस्थान में जा रहे हैं, तो आपको कोचिंग के शेड्यूल अनुसार चलना पड़ेगा। वहीं हमारा सुझाव है कि, इसके अलावा भी आप अपनी ताकत और कमजोरियों के आधार पर अपनी खुद की अध्ययन योजना तैयार करें। एसएससी सीजीएल के लिए सही विश्लेषण का उपयोग कर आप यह जान सकते हैं कि अपनी परीक्षा तैयारी कैसे शुरू की जाए। क्योंकि आपको अपनी कमियों के बारे में पूरी जानकारी होती है।

### ग्रुप डिस्कशन में भाग लें

इस परीक्षा की तैयारी में यह सबसे ज्यादा मदद करता है। अगर आप घर पर तैयारी कर रहे हैं, तो आपको एसएससी सीजीएल के बारे में डिस्कशन करना बहुत मुश्किल हो सकता है। इसलिए आप ऑनलाइन माध्यम से अध्ययन मंचों में भाग जरूर लें। इसके लिए आप उन मंचों का चुनाव करें, जो आपको इनपुट और शॉर्टकट प्रदान करने के अलावा आपकी सैद्धांतिक शंकाओं को दूर करने में पूरी तरह सक्षम हों।

### ऑनलाइन क्लास में दाखिला लें

अगर आपने किसी कोचिंग सेंटर में दाखिला नहीं लिया है, तो किसी ऑनलाइन क्लास में दाखिला जरूर लें। आज के समय में कई एजुकेशन वेबसाइटें विशेष रूप से एसएससी सीजीएल परीक्षा के लिए मुफ्त ऑनलाइन क्लास देती हैं, इनमें दाखिला लेकर अपनी तैयारी करें। साथ ही उनके द्वारा प्रकाशित अध्ययन सामग्री को मुफ्त में डाउनलोड करें और प्रतिदिन करेंट अफेयर्स पढ़े।

### टाइम टेबल बनाकर अध्ययन करें

सभी उम्मीदवारों को इस परीक्षा को क्रैक करने के लिए बहुत मेहनत की आवश्यकता होती है, इसलिए प्रतिदिन 6 से 8 घंटे बिना किसी व्यवधान के अध्ययन करना बेहद जरूरी है। इसका सिलेबस बहुत व्यापक है, अगर आप इतना समय नहीं देंगे, तो इसका सिलेबस पूरा नहीं कर पाएंगे। इसके लिए आप टाइम टेबल बनाए और छोटे-छोटे ब्रेक के साथ अध्ययन करें।

### हर सप्ताह एक प्रैक्टिस पेपर जरूर सॉल्व करें

परीक्षा में अपनी गति बनाने के लिए और प्रश्नों के पैटर्न को समझने के लिए हर सप्ताह एक प्रैक्टिस पेपर जरूर सॉल्व करें। वहीं जब परीक्षा नजदीक आ जाए तो प्रतिदिन इन पेपरों को हल कर अपनी क्षमता को पहचानें। इससे आपको अपनी कमियों के बारे में पता चलेगा।

### मॉक टेस्ट लें

चूंकि एसएससी सीजीएल परीक्षा अब ऑनलाइन आयोजित की जाती है, इसलिए उम्मीदवारों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा से परिचित होना चाहिए। इसके लिए आपको मॉक टेस्ट देकर परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। इस तरह के मॉक टेस्ट ऑनलाइन फ्री और पैसे देकर दोनों तरह से मिल जाते हैं।

### तनाव से दूर रहें

इस परीक्षा की तैयारी करना कोई बच्चों का खेल नहीं है। आप बहुत तनाव और चिंता में रहते होंगे, लेकिन यह स्मार्ट अध्ययन के लिए अनुकूल नहीं हैं। परीक्षा के दिन चिंता आपको अस्थिर कर सकती है। इसलिए आपको तनाव को मैनेज करना होगा। अपने अध्ययन की योजना इस तरह बनाएं कि आप परीक्षा से कम से कम 3 महीने पहले पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर लें। परीक्षा से पहले के उन 3 महीनों में, बार-बार रिवीजन और अभ्यास करने का प्रयास करें।

## अलीजेह के बाद भांजे अयान अग्निहोत्री को प्रमोट करेंगे सलमान खान

भांजी अलीजेह को उनकी पहली फिल्म 'फर्रे' के लिए प्रमोट करने के बाद सलमान खान अब अपने भांजे अयान अग्निहोत्री के लिए आगे आए हैं। गायक, संगीतकार और रैपर के रूप में 'यूनिवर्सल लॉज' के साथ शुरुआत के लिए तैयार अयान के ट्रैक को सलमान दुबई में लॉन्च करेंगे। 'अग्नि' के नाम से मशहूर अयान 20 फरवरी को अपने ट्रैक 'यूनिवर्सल लॉज' के साथ एक गायक, संगीतकार और रैपर के रूप में शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ट्रैक को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च किया जाएगा, जिसमें सलमान अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ समारोह में शामिल होंगे।

एक सूत्र ने बताया कि कार्यक्रम में अरबाज खान, सोहेल खान, अलवीरा खान अग्निहोत्री, अर्पिता खान शर्मा, बॉबी देओल, सोनाक्षी सिन्हा समेत अन्य कई सितारे शामिल होंगे। उन्होंने बताया, 'यूनिवर्सल लॉज' सिर्फ एक गाना नहीं है - यह एक बहुमुखी कलाकार के रूप में अग्नि का शानदार बयान है। एक गायक, रैपर, गीतकार और संगीतकार के रूप में उन्होंने इस ट्रैक में अपने दिल के साथ आत्मा को भी डाल दिया है। गाने के जरिए मजबूत कहानी को एनर्जी से भरे बीट्स के साथ जोड़ा गया है। 'यूनिवर्सल लॉज' के निर्माता आदित्य देव हैं। दुबई में अपने स्टार-स्टडेड लॉन्च के बाद 'यूनिवर्सल लॉज' अग्नि के आधिकारिक यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर दुनिया भर में उपलब्ध होगा। अयान अलवीरा (सलमान की बहन) और अतुल अग्निहोत्री के बेटे हैं। अयान इससे पहले अपने मामा सलमान के साथ विशाल मिश्रा के ट्रैक 'यू आर माइन' में काम कर चुके हैं।

एक पुराने इंटरव्यू में अयान ने कहा था, मामू और विशाल मिश्रा (संगीतकार) कुछ समय से गाने पर काम कर रहे थे। उन्होंने एक संगीत वीडियो भी शूट किया था और अंतिम आउटपुट को बाउंस करके रिलीज करने के बहुत करीब थे। लेकिन मामू को लगा कि ट्रैक में कुछ और जोड़ा जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सलमान ने अलवीरा को फोन करके पूछा था कि क्या अयान गाने के एक सेक्शन के लिए रैप कर सकते हैं। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि मैं यह करना पसंद करूंगा। इसलिए, मैंने 8-बार सेक्शन पर रैप के दो वर्जन लिखे। मामू ने इसे सुना और पसंद किया और मुझे विशाल से मिलने के लिए कहा। मैंने 20 मिनट में दोनों वर्जन लिखे थे।

## शादी में बब्बर परिवार के शामिल न होने पर प्रिया बनर्जी ने तोड़ी चुप्पी

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर शादी रचाई। प्रतीक राज बब्बर और दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे हैं। प्रतीक ने अपनी दिवंगत मां स्मिता के मुंबई स्थित घर में ही शादी रचाई। लेकिन, इस शादी में उनके पिता राज बब्बर शामिल नहीं हुए। न ही बब्बर परिवार का कोई और सदस्य दिखाई दिया। इस पर प्रतीक की दुल्हन प्रिया बनर्जी ने प्रतिक्रिया दी है।

### सभी महत्वपूर्ण लोग मौजूद थे

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी की शादी में न तो राज बब्बर नजर आए और न ही उनके सौतेले भाई-बहन जूही और आर्य बब्बर दिखे। इतने अहम दिन पर बब्बर परिवार की अनुपस्थिति के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद बब्बर परिवार के साथ प्रतीक के रिश्तों में कुछ दूरियां आ गई हैं। या कोई नाराजगी है। इन अफवाहों पर बात करते हुए प्रिया बनर्जी ने कहा, हमारे लिए जो मायने रखते हैं वो सभी लोग शादी में मौजूद थे।

### क्या राज बब्बर को परिवार का सदस्य नहीं मानतीं प्रिया?

शादी के फंक्शन में बब्बर परिवार के शामिल न होने को लेकर प्रिया बनर्जी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि परिवार का कोई भी सदस्य गायब नहीं था। उन्होंने कहा, पता नहीं ऐसी अफवाह क्यों हैं? वहां हमारे लिए महत्वपूर्ण और परिवार के सभी लोग मौजूद थे। मेरे माता-पिता, प्रतीक की मौसियां, नाना-नानी, जिन्होंने प्रतीक की परवरिश की। सभी लोग शामिल थे। वे सभी लोग मौजूद थे, जिन्हें परिवार माना जाता है। प्रिया की इस टिप्पणी के बाद यह सवाल किया जा रहा है कि क्या प्रिया राज बब्बर को परिवार का हिस्सा नहीं मानती हैं।

### यह घर उनकी तरफ से तोहफा है

प्रिया बनर्जी ने अपनी शादी के दिन का जिक्र करते हुए कहा कि शादी बिल्कुल वैसी ही हुई, जैसा उन्होंने और प्रतीक बब्बर ने सोचा था। उन्होंने इसे एक स्पेशल अवसर बताया। उन्होंने कहा कि उस खास घड़ी में परिवार के सभी लोग एक ही छत के नीचे मौजूद रहे। प्रिया ने बताया कि प्रतीक की मां यानी अभिनेत्री स्मिता पाटिल ने वह घर काफी अरमानों से खरीदा था कि उसमें रहकर प्रतीक का पालन-पोषण करेंगी, लेकिन हालात ने इसकी इजाजत नहीं दी। प्रिया ने कहा, हमें यकीन है कि यह घर उनकी ओर से एक तोहफा है, वे चाहती थीं कि हमारा सफर यहीं से शुरू हो।

## सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर रश्मि देसाई ने किए कई खुलासे

टीवी की तपस्या से पहचान पाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई ने भारती सिंह के पॉडकास्ट में अपने करियर और सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बहुत सी बातें की हैं। उन्होंने कहा कि रश्मि और सिद्धार्थ ने करीब 9 महीने तक एक दूसरे से बात तक नहीं की थी।

रश्मि देसाई ने सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बात की। भारती सिंह के पॉडकास्ट में रश्मि ने कहा कि हमारी अलग तरह की चीजें लोगों ने देखी बिग बॉस में। वो भी अच्छा था, मैं भी लोगों की मदद करती थी लेकिन जो कड़वाहट हमारे बीच आ गई थी, उस कारण ही ये सब हुआ। रश्मि देसाई ने कहा कि दिल से दिल तक हमारे बीच बात ही नहीं होती थी। हमारे काम के बीच ये तकरार कभी नहीं आई। वो जितना अच्छा इंसान था, दिल का भी उतना ही अच्छा था। साल 2018 में मेरा समय ठीक नहीं था, मैंने कई सारी चीजें इस दौरान सीखीं। रश्मि ने कहा कि हमनें काम के दौरान करीब 9 महीने तक बात की है।

### काम को लेकर बोलीं रश्मि देसाई

रश्मि देसाई ने कहा कि मुझे अच्छा काम करना है। मैं ऐसा काम करना चाहती हूं, जिससे मुझे चैलेंज मिले। रश्मि देसाई ने कहा कि मैं घूमना चाहती हूं। मैं रोड ट्रिप करना चाहती हूं।

रश्मि ने कहा कि मुझे ब्रांड्स का कुछ खास शौक नहीं है लेकिन फिर भी मैं कुछ खर्च करना चाहती हूं। इन सबके बीच खुद को समय देना चाहूंगी।

### बिग बॉस को लेकर कही ये बात

बिग बॉस 13 को लेकर भी रश्मि देसाई ने बात की। उन्होंने कहा कि ये शो मैंने सिर्फ पैसों के लिए किया था। मुझे उन दिनों पैसों की बहुत जरूरत थी। रश्मि ने कहा वो पांच महीने हमारे लिए ऐसे थे, जिसे हम आज तक नहीं भुला पाए हैं। रश्मि देसाई ने कहा कि बिग बॉस के दौरान वे जीवन में भी बहुत कठिन परिस्थिति से गुजर रही थीं। मुझे लगता है कि बिग बॉस करना मेरे जीवन का सबसे अच्छा निर्णय रहा।

## ऑडिशन देने में नहीं कोई शर्म, बिना स्ट्रगल के कुछ नहीं मिलता, काम को लेकर बोले साकिब सलीम

83 और रंगबाज में नजर आ चुके साकिब सलीम इन दिनों क्राइम बीट शो में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। साकिब सलीम ने अपने करियर और शोज को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे अपने करियर के पड़ावों पर ऑडिशन देने से पीछे नहीं हटते हैं।

### पत्रकार होना आसान नहीं

इंटरव्यू में साकिब ने पत्रकार की भूमिका को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वाकई ये बहुत मुश्किल जिंदगी है। यहां दिन-रात और तीन बार के खाने का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। आप हर समय किसी न किसी काम के पीछे भागते रहते हैं। बहुत जल्दी आपको कुछ भी नहीं मिलता है।

### बदला लोगों को देखने का नजरिया

अभिनेता ने कहा कि अब अगर कोई मेरे पास स्टोरी मांगने या किसी बातचीत के लिए आता है तो मैं अब उन्हें अलग नजरिए से देखता हूं। पहले मैं ऐसा नहीं था, इस शो का मुझ पर काफी असर हुआ है। वे भी अपना काम ही करते हैं। अब मैं उनसे कहता हूं कि रुकिए मैं क्या बात कर सकता हूं, जिससे आपको स्टोरी मिल सके। ये बदलाव मैंने अपने अंदर महसूस किया है।

### ऑडिशन देने में कोई शर्म नहीं

साकिब ने कहा कि वे अभी भी ऑडिशन देते हैं। स्ट्रगल करते हैं और इसमें उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है। साकिब ने कहा, आपको हर किरदार के लिए काम करना पड़ता है। मैंने अपने जीवन में 15-16 फिल्में या शो किए होंगे। अगर मैंने ऑडिशन नहीं दिया है, तो हर चीज के लिए भागदौड़ करनी पड़ी है। यह मेरे पास नहीं आया। मुझे कई जगहों पर जाना पड़ा और लोगों को खुद पर विश्वास दिलाना पड़ा।

### ऑडिशन की बात आ जाता था गुस्सा

साकिब ने कहा कि उन्हें ऑडिशन किए जाने की बात पर गुस्सा आ जाता था। वे बुरा मान जाते थे, हालांकि, अब उन्हें इस बात का महत्व समझ आ गया है। उन्होंने कहा कि अब मुझे लगता है कि अगर आप एक अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको ऑडिशन देने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यह आपका काम है। आप घर बैठे बेहतर अभिनेता नहीं बन सकते हैं।

## फिल्म मालिक में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं। फिल्म का नाम है मालिक। इस फिल्म का जबसे एलान हुआ है, दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट पर अपडेट शेयर कर दिया है। यह फिल्म जून में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मकेर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट से परदा उठाया है। 15 फरवरी को टिप्स फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें फिल्म से राजकुमार राव का लुक शेयर किया है। हाथों में गन थामे एक्टर इंटेस लुक में दिख रहे हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, पूरे प्रदेश और देश पर राज करने आ रहे हैं मालिक। इसके साथ बताया गया है कि फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## आलिया भट्ट के लिए बोले करण जौहर, नहीं सोचा था वो इतनी बड़ी अभिनेत्री बनेंगी

बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर ने आलिया भट्ट को अपनी फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करवाया। करण जौहर ने अब एक इंटरव्यू में आलिया भट्ट और अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा से जानते थे कि आलिया भट्ट स्टार बनने वाली हैं, लेकिन इतनी सफल अभिनेत्री बनने वाली हैं, नहीं पता था।

### स्टूडेंट ऑफ द ईयर को लेकर कही ये बात

यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स को दिए इंटरव्यू में करण जौहर ने कहा कि वरुण और सिद्धार्थ मेरे असिस्टेंट रह चुके थे माय नेम इज खान में। आलिया को मैं पहली बार लॉन्च करने जा रहा था। मैं उनसे पहली बार मेरे ऑफिस में मिला था, जब वे स्कूल से आई थीं। जब इन तीनों को मैंने लॉन्च किया तो अपनी टीम से साफ कह दिया था कि इन तीनों के साथ आप बड़े स्टार्स की तरह ही ट्रीट करें। हमनें कभी उन्हें नए सितारों की तरह ट्रीट किया ही नहीं। हमने हमेशा उन्हें मेगा स्टार की तरह रखा, ताकि वे भी उसी तरह से काम कर सकें।

### आलिया भट्ट को लेकर बोले निर्देशक

करण जौहर ने कहा, हमेशा लगा की आलिया स्टार बनेंगी, लेकिन इस किस्म की अभिनेत्री बनेंगी, यह मैं नहीं सोच पाया। करण जौहर ने कहा कि हमेशा कहता हूं कि उनका इमोशनल लॉन्च स्टूडेंट ऑफ द ईयर था और प्रोफेशनल लॉन्च हाइवे थी। उस फिल्म ने आलिया के लिए एक्टिंग के सारे दरवाजे खोल दिए।

### अपनी निर्देशित फिल्मों पर की बात

करण जौहर ने अपने करियर की गेम चेंजिग फिल्म को लेकर बात की है। करण जौहर ने कहा, जब मैं माय नेम इज खान फिल्म पर काम कर रहा था। मुझे लगता था कि ये फिल्म मेरे दायरे के बाहर है। 12 सालों बाद मुझे लगा कि मुझे सच में काम आता है, मैं निर्देशक हूं।

## 18 अप्रैल को रिलीज होगी केसरी चैप्टर 2

साल 2019 में आई अक्षय कुमार की फिल्म केसरी सुपरहिट साबित हुई थी। अब वे केसरी चैप्टर 2 में नजर आएंगे। फिल्म मार्च में होली के अवसर पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। इसकी नई रिलीज डेट से परदा उठ गया है। मालूम हो कि इस बार फिल्म में आर. माधवन भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा अनन्या पांडे भी फिल्म का हिस्सा हैं। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म अप्रैल में दस्तक देगी। फिल्म कैसरी चैप्टर 2, 18 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। भले ही फिल्म का नाम कैसरी चैप्टर 2 है, लेकिन 2019 की केसरी की कहानी से इसका लेना-देना नहीं है। इस फिल्म की कहानी वकील और पॉलिटिशियन रहे सी. शंकरन नायर पर आधारित है। फिल्म की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का नाम पहले शंकरा रखा गया था, लेकिन बाद में बदल दिया गया। फिल्म की कहानी की बात की जाए तो यह आजादी से पहले की है। इसमें स्वतंत्रता के दौरान हुई कई महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया जाएगा।

# डॉ महेश शर्मा ने किया इवाना ज्वेलर्स शोरूम का उद्घाटन

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-18 नोएडा में तीन दिवसीय एक्सक्लूसिव लैब-ग्रोन डायमंड और पोल्की ज्वैलरी शोरूम इवाना ज्वेलर्स का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ महेश शर्मा ने किया।

इस मौके पर सीए विपिन साहनी (संस्थापक, मयूर स्कूल), सुशील जिंदल व किरण जिंदल (सूरत), रहमान इलाही (एमडी, यूनाइटेड प्रेशर कुकर एवं संस्थापक मयूर स्कूल) सीए प्रदीप गोयल, शिल्पी गोयल, योगित जिंदल व आयुषी जिंदल सहित नोएडा शहर कर तमाम अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जबकि श्रीमती सावित्री जिंदल (चेयरपर्सन एमरिटस ओपी जिंदल ग्रुप) 23 फरवरी को मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि व उद्घाटनकर्ता सांसद डॉ महेश शर्मा ने इवाना ज्वेलर्स के बारे में कहा कि इवाना ज्वेल्स (सूरत), लैब-ग्रोन डायमंड और पोल्की ज्वैलरी का नोएडा में विस्तार हुआ है और यह आभूषण प्रेमियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

अपने उद्बोधन में सीए प्रदीप गोयल ने बताया की नैतिक और टिकाऊ आभूषणों की बढ़ती मांग के साथ, इवाना ज्वेल्स का लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाले, पर्यावरण के अनुकूल और उत्तम प्रयोगशाला में उगाए गए हीरे और पारंपरिक पोल्की आभूषण प्रदान करना है। शोरूम आधुनिक खरीदारों के लिए डिज़ाइन किए गए एक विशेष संग्रह की पेशकश करेगा जो विलासिता और स्थिरता दोनों चाहते हैं।

# ग्रेटर नोएडा में फ्लावर-शो 28 फरवरी से

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा फ्लावर शो 2025 के आयोजन की घोषणा की गई है। यह शो 28 फरवरी से 2 मार्च 2025 तक सम्राट मिहिर भोज पार्क (सिटी पार्क), ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा। फ्लावर शो में बड़े पैमाने पर दर्शकों के पहुंचने की संभावना है। फ्लावर शो में कई किस्म के फूल व उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सहायक निदेशक बागवानी बुद्धविलाश ने बताया कि फ्लावर शो में विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे।

कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक लोग 26 फरवरी 2025 तक अपनी स्टॉल फ्लावर शो में बुक करा सकते हैं। स्टॉल के लिए 6 हजार से लेकर 15 हजार तक धनराशि तय की गई है।

# 'स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पर्यावरण पर खर्च हों सीएसआर फंड'

**नोएडा (चेतना मंच)।** सीएसआर निधि का जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण व पोषण आदि महत्वपूर्ण कार्य पर व्यय करने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएसआर निधि के उपभोग करने के लिए गठित की गई जनपद स्तरीय सीएसआर सेल की समीक्षा बैठक हुई। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद स्तरीय सीएसआर सेल के अधिकारियों एवं कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा कि सीएसआर निधि का प्रयोग जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण व पोषण आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अधिक से अधिक करने पर विशेष फोकस रखा जाए एवं कंपनियों के द्वारा सीएसआर के माध्यम से सरकारी स्कूलों के भी कायाकल्प के कार्य अपनी आगामी वित्तीय वर्ष के कार्य योजना में रखें।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने इस अवसर पर सीएसआर निधि के माध्यम से कार्य करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों से यह भी कहा कि उनके द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर में अब तक सीएसआर निधि से जो कार्य कराए गए हैं, उनकी सूचना तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में सीएसआर निधि से जो कार्य कराए जाने की योजना तैयार की गई है, उसको जनपद स्तरीय सीएसआर सेल के सामने प्रस्तुत करें।

इस अवसर पर कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपनी कंपनी के द्वारा सीएसआर के माध्यम से कराए जा रहे कार्य के संबंध में अवगत कराते हुए सीएसआर निधि को लेकर अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीष अत्री, अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों तथा कंपनी के प्रतिनिधियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

## हरपाल सिंह बने समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश सचिव

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-35 स्थित मोरना गांव के निवासी हरपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय रामसरन को समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है।

यह मनोनयन समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार जाटव ने किया है। उन्होंने हरपाल सिंह से अपेक्षा जताई कि वे डॉ. बी आर अंबेडकर के सिद्धांतों का प्रचार प्रचार करेंगे तथा अधिक से अधिक युवाओं को संगठन में जोड़ेंगे। हरपाल सिंह के प्रदेश सचिव बनाए जाने पर दलित उत्थान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार के अलावा विभिन्न अंबेडकरवादी संगठनों ने खुशी जताई है।

# बरसात में सक्रिय रहें रेन वाटर हॉर्वेस्टिंग सिस्टम : अतुल कुमार

**नोएडा (चेतना मंच)।** जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में एवं अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 40 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 18 आवेदनों को स्वीकृत किया जायेगा, 6 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 3 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को भेज दिया गया है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने जनपद में भूजल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए। साथ ही निर्देश दिए कि बरसात के मौसम में सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों व हाईराइज सोसाइटियों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय रहने चाहिए।

अपर जिलाधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि भूगर्भ जल संरक्षण को और अधिक बढ़ावा देने के उद्देश्य से बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों को भी तालाबों के पुनर्भरण एवं जीर्णोद्धार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अंकुर वाचुका, नोएडा/ग्रेटर नोएडा/यमुना विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, वन विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# सेक्टर-117 में डाली जाएगी ऑप्टिकल केबल

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-117 में इन्टरनेट की सुविधा प्रदान कराने के लिए नोएडा प्राधिकरण द्वारा अधिकृत कम्पनी द्वारा Optical Cable Fiber डालने के कार्य का पूजन के साथ किया गया। सेक्टर-117 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एड.कोसिंदर यादव ने बताया कि जल्द ही सर्विस प्रोवाइडर द्वारा कार्य पूरा का सर्विस देनी शुरू कर दी जायेगी, जिससे सेक्टर में अवैध रूप से बिजली के पोलो पर फैले भिन्न-भिन्न लोकल ओपरेटर के वायर से भी सेक्टर को निजात मिल पायेगी।

इस दौरान अवधेश कुमार पाठक, हर्ष मोहन जखमोला,डाक्टर सुमित गुप्ता, अरूण राघव, रविन्द्र खंडेलवाल, नोएडा प्राधिकरण के सीविल विभाग से इन्जीनियर निखिल मित्तल, सुपरवाइजर गिरिराज व अन्य साथी मौजूद रहे।


SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

| S.No | Plot Size | House No./Block | Price | Other Details |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 300 Sq.mtr | C-291, Sigma - 02 | 92 Lakh | Completion, S/W |
| 2 | 200 Sq.mtr | G-660, Alpha - 02 | 1.25 Cr. | Completion,N/E & 18 MTR Road |
| 3 | 60 Sq.mtr | G-439, Gamma - 02 | 52 Lakh | Single Story, Corner(18X12),N/E |
| 4 | 1265 Sq.ft | Silver City - 02, PI-1 | 55 Lakh | 2+1 BHK Apartment |
| 5 | 29.76 Sq.ft | 3TF/Block-60, Sector - 10 | 9 Lakh | 1 BHK, Top Floor |
| 6 | 2450 Sq.ft | Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04 | On Request | 4BHK, Low rise, Lift |
| 7 | 237 Sq.mtr | C-363, Sector - 03(EXTN) | 1.40 Cr. | 50% Completion, Corner, N/ W |
| 8 | 110 Sq.mtr | 5% Plot, CHI PHI EXTN | 23000/Sq.Mtr. | Corner Plot |
| 9 | 131 Sq.mtr | 5% Plot, CHI PHI EXTN | 23000/Sq.Mtr. | Corner Plot |
| 10 | 930 Sq.mtr | 5% Plot, CHI PHI EXTN | 14000/Sq.Mtr. | Corner Plot |

COMMERCIAL

| S.No | Shop Size | Complex Address | Price | Other Details |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 29.5 Sq.mtr | Block - C, Alpha - 01 | 95 Lakh | G.Floor, Corner, N/E |
| 2 | 463 Sq.ft | NQI Plaza, Alpha - 01 | 95 Lakh | G.Floor, N/E |
| 3 | 19.5 Sq.mtr | Kadamba Shopping Complex, Gamma -01 | 40 Lakh | G.Floor, N/W |
| 4 | 8.15 Sq.mtr | Kiosk, P-3 | 22 Lakh | 24 Mtr Road, N/W |

CONTACT US :+919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308


# सावधानः नोएडा शहर में सक्रिय हैं बड़े-बड़े साइबर ठग

**नोएडा (चेतना मंच)।** साइबर ठग तथा साइबर ठगी के विषय में आपने जरूर सुना होगा।

पूरी दुनिया के साथ ही नोएडा शहर में भी बड़े-बड़े साइबर ठग सक्रिय हैं। साइबर ठगों की साइबर ठगी से बचने का केवल एकमात्र उपाय है। आप सावधान रहें। ऐसा कोई भी काम न करें जिसमें साइबर ठगी की जरा सी भी आशंका हो। नोएडा कमिश्नरी पुलिस नोएडा शहर के नागरिकों को साइबर ठगों से लगातार सावधान कर रही है। नोएडा पुलिस ने साइबर ठगों से बचने के उपाय बताने के लिए अभियान चला रखा है।

नोएडा शहर में रहने वाले अनेक लोग आए दिन साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं और तो और अपने आपको आईटी एक्सपर्ट कहने वाले नोएडा के एक युवक को भी साइबर ठगों ने अपना शिकार बना लिया। नोएडा पुलिस की साइबर सेल ने नोएडा में रहने वाले आईटी एक्सपर्ट को साइबर ठगी का शिकार बनाने की पूरी स्टोरी मीडिया के साथ साझा की है। साइबर ठग नोएडा के नागरिकों को कैसे ठग रहे हैं। इस स्टोरी से भलीभंति समझा जा सकता है।

आपको बता दें कि अजीत सिंघल (काल्पनिक नाम) एक आईटी सेक्टर में अच्छे पद पर गुड़गांव में सर्विस करते हैं तथा नोएडा में रहते हैं और नोएडा के मूल निवासी भी है जो एक सम्पन्न परिवार से है। एक दिन उनके व्हाट्सएप पर मैसेज आता है कि यदि आप पार्ट टाइम जॉब करके कम समय में अच्छा पैसा कमाना चाहते हैं तो दिए गए नंबर पर संपर्क करें। अजीत सिंघल को लगा की सैलरी से अतिरिक्त कुछ पैसा कमा कर लग्जरी लाइफ का आनंद लिया जाए। यही सोचकर उन्होंने उस नंबर पर संपर्क किया उस व्यक्ति द्वारा बताया गया कि वह एक बड़े सर्वे को कर रहा है जिसमें वह देश के नामचीन होटल के रिव्यू रेटिंग तैयार कर रहा है यदि आप होटल की रिव्यू करते हैं तो उसके बदले में आपको पैसा दिया जाएगा। इसके लिए आपको एक टास्क दिया जाएगा। प्रत्येक रिव्यू पर आपको पैसा मिलता रहेगा। उस व्यक्ति ने अजीत ी से बताया कि आपको इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी क्रिएट करनी होगी और इंस्टाग्राम पर ही आपको एक लिंक मिलेगा जिस पर आपको सारी इनफार्मेशन भर के सबसे पहले अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा फिर आपको जैसे-जैसे टास्क मिलते जाते हैं उन्हें पूरा करना होगा टास्क जैसे ही आप पूरा करेंगे उससे रिलेटेड जो भी धनराशि है वह आपके अकाउंट में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

अजीत उस साइबर अपराधी के जाल में फंस गए और कम समय में अधिक धन कमाने के लिए उन्होंने उसके बताए अनुसार इंस्टाग्राम पर उस लिंक को टच किया उसके बाद जैसे-जैसे उसने बताया था उसके बताये अनुसार अपनी सारी डिटेल उस पर फिलप करते रहे। फॉर्म सबमिट करने के नाम पर इनको ओटीपी मिला जिसको फिलप कर दिया उसके बाद साइबर अपराधी द्वारा पहले इनको होटल रिव्यू के लिए टास्क दिया गया। इनके द्वारा उन होटल के संबंध में अपना रिव्यू दिया गया। इसके बदले में उसने टास्क पूरा करने के नाम पर इनको कुछ धनराशि इनके अकाउंट में ट्रांसफर कर दी। फिर अगला टास्क पूरा करने को दिया गया। उन्होंने फिर अगले टास्क को पूरा किया और फिर इनको कुछ धनराशि उनके खाते में दे दी गई। इस प्रकार से उसने अजीत को अपने जाल में फसाया और कहा यदि आप कुछ बड़े अमाउंट का परचेज करना चाहते हैं व कुछ बड़ा अमाउंट कमाना चाहते हैं तो हमारी एक दूसरी स्कीम है जिसमें आप कुछ पैसा लगा के, पैसा कमा सकते हैं।

साइबर अपराधी द्वारा अपनी सोची समझी साजिश के तहत इनसे 19 लाख रुपए इन्वेस्ट करा लिए और इन्हें टास्क पर टास्क आगे के बताता गया। किंतु अब इनको कोई रिफंड नहीं मिल रहा था। इनके द्वारा जब रिफंड करने के लिए रिक्वेस्ट की जाती तो साइबर अपराधी फिर एक नई शर्त रख देता की आप अगली स्टेप पर पहुंचने वाले हैं यदि आप रूपये 500000 और इन्वेस्ट कर सकते हैं तो आपका 15 प्रतिशत रिटर्न हो जाएगा और 10 लाख इन्वेस्टमेंट करने पर आपका 25 प्रतिशत इन्वेस्टमेंट का रिफंड मिल जाएगा और यदि आप विनर हो जाते हैं तो संपूर्ण धनराशि मय ब्याज के आपको वापस मिल जाएगी। इस प्रकार साइबर अपराधी द्वारा लगातार नए-नए टास्क दिए जाने लगे। आखिरकार अजीत को समझ में आ गया कि उनके साथ टास्क पूरा करने के नाम पर धोखाधड़ी हो गई है। फिर उनके द्वारा नोएडा के थाना साइबर क्राइम पर अपनी शिकायत पंजीकृत कराई गई। जिस पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। नोएडा पुलिस ने इस मामले में रूपये 1000000 (दस लाख रूपये) रिफंड भी कराए हैं तथा नोएडा पुलिस ठगों की तलाश कर रही है।

**नोएडा पुलिस की खास अपील** नोएडा पुलिस ने नोएडा के नागरिकों से खास अपील की है। नोएडा पुलिस का कहना है कि यदि आपके पास सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म के माध्यम से कम समय में टास्क पूरा कर लाभ कमाने या इन्वेस्टमेंट करके अधिक पैसा कमाने का कोई ऑफर आता है तो आप समझ जाइए की साइबर अपराधी आपको अपने जाल में फंसा रहे हैं। आप ऐसे किसी भी टास्क को पूरा कर या किसी प्लेटफार्म पर इन्वेस्टमेंट कर लाभ कमाने वाले लुभावने ऑफर से सदैव बच कर रहें। यह टास्क बेस इन्वेस्टमेंट प्लान आपके लिए असुरक्षित है। ऐसा कोई भी टास्क बेस इन्वेस्टमेंट या शेयर मार्केट इन्वेस्टमेंट प्लेटफार्म जो आरबीआई की गाइडलाइन को फॉलो नहीं करता तथा जो भारत सरकार के अधीन और सेबी के नियंत्रण में नहीं है ऐसे अनजान इन्वेस्टमेंट प्लेटफार्म पर किसी प्रकार का इन्वेस्टमेंट ना करें अन्यथा आप साइबर ठगी के शिकार हो सकते हैं।


GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

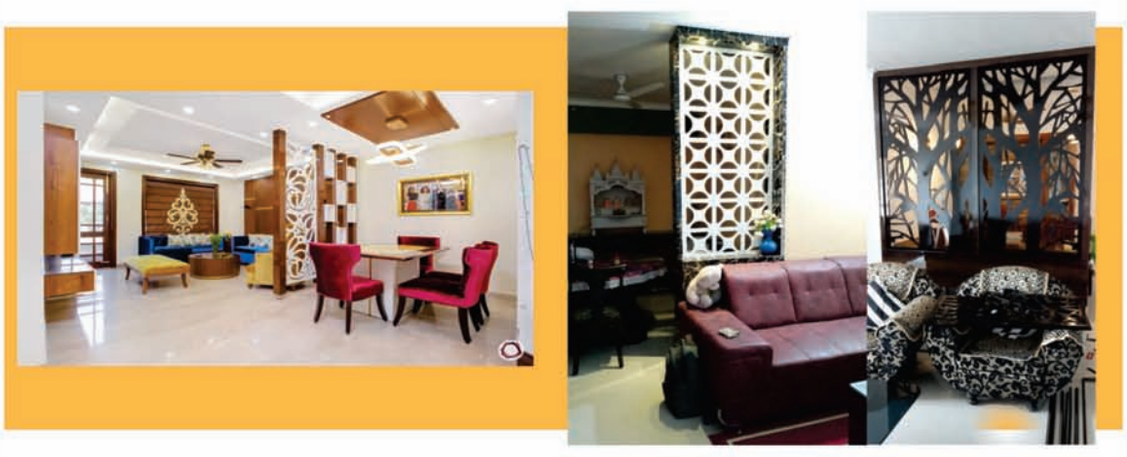

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com